mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-203 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 जुलाई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

# दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

# सीजेपी का विरोध प्रदर्शन: छात्रों के समर्थन में अन्ना हजारे मौन व्रत पर

● कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में आज सुनवाई ● पुलिस के खिलाफ नारे लगे

**नई दिल्ली,एजेंसी।** सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने गुरुवार को छात्रों के प्रदर्शन के समर्थन में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में मौन आंदोलन शुरू कर दिया है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र भी लिखा था।

उनका कहना है कि पीएम सर्वोच्च नेता हैं, इसलिए जनता के सवाल उन तक पहुंचाना जरूरी है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के

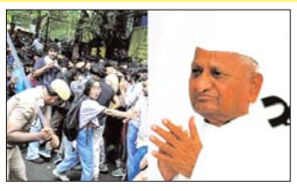

प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। एक जनहित याचिका में अपील की गई है कि प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली को बंधक बना दिया है। कई सड़कें बंद हैं और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। गुरुवार सुबह से ही हजारों लोग वहां जमा हैं। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि भाजपा के भेजे गुंडे प्रदर्शनकारियों के बीच आकर पत्थरबाजी कर रहे हैं।

**सीजेपी प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई आज ...** कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। एक जनहित याचिका में अपील की गई थी कि प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली को बंधक बना दिया है। कई सड़कें बंद हैं और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि ठीक है, कल सुनवाई होगी। वकील बरुण कुमार सिन्हा ने यह याचिका दाखिल की थी।

## संसद के बाहर एनडीए-विपक्ष आमने-सामने चौथे दिन भी हंगामे से ठप रही कार्यवाही

**नई दिल्ली,एजेंसी।** संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विप सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी एनडीए सांसदों के बिल्कुल करीब चली गईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें रोका। संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा।

**राज्यसभा में खड़गे के आरोपों पर नड्डा बोले- विपक्ष का व्यवहार गैर-जिम्मेदाराना...** राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के आरोपों पर जवाब दिया। नड्डा ने कहा- विपक्ष का व्यवहार बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। वे न तो चर्चा करना चाहते हैं और न ही सदन चलने देना चाहते हैं।

### पेपर लीक पर मोदी बोले- फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे

## युवाओं के कल्याण और भविष्य से बढ़कर कुछ नहीं, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऐलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम का यह ऐलान कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष के प्रदर्शन के बीच आया है। सीजेपी पिछले 34 दिन से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वहीं, एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक 26 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। वे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं उनका इलाज चल रहा है।

**पीएम ने कहा- युवाओं का हित सर्वोच्च प्राथमिकता :** पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

**पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट :** देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने

### राहुल बोले: पीएम एजुकेशन सिस्टम की बर्बादी के जिम्मेदार

## छात्रों की 3 मांगें- प्रधान को हटाएं, स्टूडेंट्स से हिंसा करने वालों के खिलाफ एक्शन लें

**नई दिल्ली,एजेंसी।** देश भर में हृश्वश्वञ्च सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया किस पेपर लीक मामलों के दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। इस पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे 'शिक्षा तंत्र की तबाही' छिपाने की कोशिश करार दिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में आरोप लगाया कि देश के शिक्षा तंत्र को बर्बाद करने और युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री खुद जिम्मेदार हैं।

**राहुल बोले- नीट पेपर लीक से 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स प्रभावित :** राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए थे। राहुल कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया। नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार इस घटना से प्रभावित हुए हैं। नीट मामले में

### गुरुग्राम-मेदांता में 600 जवानों की सिक्योरिटी में सोनम वांगचुक

## बोले-भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म, नड्डा ने कहा-आपकी चिट्ठी मिली, चर्चा कर रहे

**गुरुग्राम,एजेंसी।** सोनम वांगचुक के अनशन का आज यानी गुरुवार को 26वां दिन था। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विप सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था।

पुलिस और सांसदों के बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं आज ही अनशन खत्म करने को तैयार हूं। बस सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करे।'

उधर, शाम को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि वांगचुक ने हमें ओपन लेटर लिखा है। हम जल्दी उस लेटर का जवाब देंगे। इसके अलावा CJP के लोगों की बातें भी हमने शांति से सुनी। उन्होंने अपनी बातें लिखकर दी हैं। हम चर्चा को तैयार है। जब कहेंगे हम चर्चा करेंगे। उधर, मंगलवार के घटनाक्रम को देखते हुए मेदांता में पुलिस ने सिक्योरिटी बढ़ा कर दी है। 600 पुलिसकर्मियों को 3 शिफ्टों में तैनात किया है। एक्जिट गेट बंद कर दिया गया है, अब एंट्री गेट से ही आना-जाना होगा। इसके अलावा बाहरी वाहनों को प्रॉपर अपॉइंटमेंट और रीज़न देने पर ही एंट्री मिलेगी।

## युवाओं का उज्ज्वल भविष्य मोदी सरकार की प्राथमिकता, फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन पर बोले शाह

**नई दिल्ली,एजेंसी।** गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एलान किया कि पेपर लीक के दोषियों को सजा देने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। पीएम मोदी के इस एलान का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने समर्थन किया है। मित शाह ने सोशल मीडिया जरिए कहा कि युवाओं का हित मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होनें पीएम के फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले को मील का पत्थर बताया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, युवाओं का हित और उनका उज्ज्वल भविष्य मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता भी है और संकल्प भी। प्रधानमंत्री जी द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट्स के गठन से पेपर लीक के मामलों में दोषियों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और कठोर कार्रवाई का निर्णय इसी का प्रतिबिंब है। पेपर लीक के कारण युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध प्रधानमंत्री जी का यह महत्वपूर्ण कदम मील का पत्थर साबित होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जुलाई को हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक में पेपर लीक पर कार्रवाई की बात कही थी। उन्होंने बैठक में कहा कि पेपर लीक की खबर मिलते ही सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेला भेजा गया।

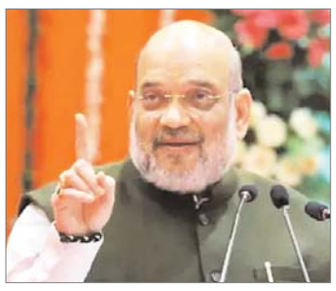

## अभिजीत दीपके का आरोप: भाजपा के गुंडे पत्थरबाजी कर रहे

● पुलिस के खिलाफ नारे लगे ● कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में कल सुनवाई

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। गुरुवार सुबह से ही हजारों लोग वहां जमा हैं। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि भाजपा के भेजे गुंडे प्रदर्शनकारियों के बीच आकर पत्थरबाजी कर रहे हैं। दरअसल गुरुवार रात को जंतर-मंतर से एक किमी दूर पुलिस और प्रदर्शनकारी में झड़प हुई थी। पुलिस पर पत्थरबाजी के बाद लाठीचार्ज किया गया था। इसमें 2 ACP समेत 5 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में FIR दर्ज कर ली है। उधर, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई होगी। एक जनहित याचिका में अपील की गई थी कि प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली को बंधक बना दिया है।

### : ब्रीफ बॉक्स :

## सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी, सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द

तीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा

**इंदौर,एजेंसी।** इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

**गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे, इसलिए जमानत गलत: सुप्रीम कोर्ट:** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारियों का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं।

## अमेरिका का ईरान में इराक बॉर्डर पर हमला: 2 की मौत

### ईरान बोला- कुवैत में अमेरिकी पैट्रियट सिस्टम और ड्रोन हैंगर तबाह किए

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका ने बुधवार को ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है।

अमेरिकी हमले के कुछ ही देर बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने दावा किया कि उसने कुवैत के अली अल-सलेम एयर बेस स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। IRGC के अनुसार, इस कार्रवाई में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, MQ-9 रीपर ड्रोन हैंगर और एक सैन्य गोदाम तबाह कर दिया गया।

दूसरी तरफ, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के तेल टैंकर एस्सेलिया और लैला को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। हूती विद्रोहियों के इस कदम से बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में तनाव पैदा हो गया है और वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

**ईरान बोला- अमेरिकी हमले नहीं रुके तो नई रणनीति अपनाएंगे:** ब्रिगेडियर जनरल

अकरामिनिया ने कहा है कि अगर अमेरिका ईरान के दक्षिणी इलाकों के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले जारी रखता है तो ईरान नई सैन्य रणनीतियां और नए ऑपरेशनल प्लान लागू करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते (MoU) का उल्लंघन किया है। अकरामिनिया ने यह भी कहा कि ईरानी सशस्त्र बल अमेरिकी आक्रामक कार्रवाई के जवाब में हमले कर रहे हैं। उनके मुताबिक, 'जब तक अमेरिका हमारे देश के बुनियादी ढांचे और तटीय क्षेत्रों पर हमले करता रहेगा, हमारी जवाबी कार्रवाई भी जारी रहेगी।

## सीएम योगी ने गोरखपुर में पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया, भाजपा सांसद की चुटकी ली

● योगी बोले- पहले त्योहारों पर दंगे होते थे, आज प्रदेश में शांति और सुरक्षा का माहौल

**गोरखपुर,एजेंसी।** सीएम योगी ने एक बार फिर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। उन्होंने गुरुवार को गोरखपुर में कहा, 'मैंने देखा कि एक दिन बारिश हुई थी तो रवि किशन पानी में घुसकर जा रहे थे। अपने हाथ से नाली साफ कर रहे थे। मैंने उनसे कहा कि अतिक्रमण हटवा दीजिए, पानी अपने आप निकल जाएगा। '

**सीएम बोले- आस्था पर प्रहार करने वाले आज राम मंदिर पर सवाल कर रहे हैं:**

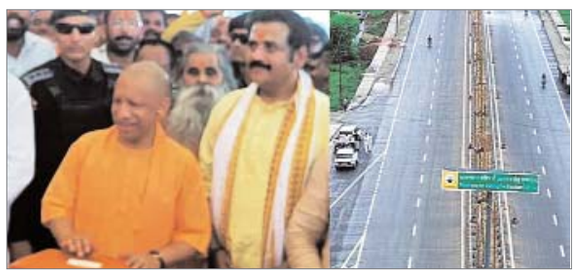

मुख्यमंत्री ने कहा 2017 के पहले दंगे होते थे। अराजतकता चरम पर थी। याद करिए कि होली, दशहरा, रामनवमी पर दंगा होता था। कांवड़ यात्रा नहीं निकलने देते थे। जन्माष्टमी का आयोजन नहीं होने देते थे। जो आस्था पर प्रहार करते थे, वे आज सबसे बड़े आस्थवान बनने का ठेका ले रखा है। जिन्होंने राम जन्मभूमि मंदिर के राह में बाधा खड़ी की। रामभक्तों पर गोली चलवाई। सुप्रीम कोर्ट में अपने अधिवक्ता खड़े किए विरोध में। जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते थे।

जिन्होंने व्यापारी व बेटी के सामने सुरक्षा का संकट खड़ा किया। आज जब वे इन मुद्दों पर उपदेश देते हैं तो वह हास्यास्पद लगता है। आज बदलाव आया है क्योंकि डबल इंजन की सरकार है। उसके साथ जब सभी लोग मिलकर काम करते हैं। सीएम ने गुरुवार सुबह 11 बजे गोरखपुर के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। इसके बाद कुछ दूरी तक फ्लाईओवर पर पैदल चले और शिलापट्ट के पास खड़े होकर तस्वीर खिंचवाई।

**सीएम बोले-पानी का संरक्षण करना होगा, इसमें खर्च भी नहीं होता:** मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में इतना जल संसाधन किसी के पास नहीं है, जितना आपके पास है। इसका सदुपयोग करना होगा। पानी का संरक्षण करना होगा। इसमें बहुत खर्च नहीं है।

## देशभर में आफत की बारिश: गुजरात के सूरत में 4 घंटे में 4 इंच बारिश

● अहमदाबाद-मुंबई रूट पर 7 ट्रेनें रद्द ● म.प्र.-राजस्थान समेत 7 राज्यों में बारिश का अलर्ट

**नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर,एजेंसी।** मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात में आज भारी बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश के 3 स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में लगातार 60 घंटे से बारिश हो रही है।

वहीं, गुजरात के सूरत में 4 घंटे में 4 इंच बारिश हुई। भेड़ावल और सीमादा नदियां उफान पर हैं। अन्य नदियां भी खतरनाक स्तर पर बह रही हैं। 2,244 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 3 जिलों में बारिश का रेड,11 जिलों में ऑरेंज और 10 जिलों में यलो अलर्ट है। यूपी में आज 69 जिलों में बारिश का अलर्ट है। उधर, असम में बाढ़ से 6.53 लाख लोग प्रभावित हैं। 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। अब तक मृतकों की संख्या 41 पहुंच गई है। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिसमें अब तक 41 लोगों की मौत हो चुकी है और 11 जिलों में 65 लाख से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

उन्होंने बताया कि सेना, वायु सेना और अन्य एजेंसियों ने राहत और बचाव अभियान

जारी रखे हुए हैं, साथ ही दूरदराज के इलाकों में फंसे लोगों को आवश्यक वस्तुएं पहुंचाने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पूर्वोत्तर राज्य की कई प्रमुख नदियां खतरे के स्तर से ऊपर बह रही थीं।

## महिला कर्मचारी से एयरलाइन कंपनी की ऑफिशियल कैब में रेप

### हैदराबाद में ड्राइवर ने एयरपोर्ट जाते समय रास्ता बदला

**हैदराबाद,एजेंसी।** तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 37 साल की महिला के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोप के मुताबिक ड्यूटी पर जा रही प्राइवेट एयरलाइन की महिला केबिन क्रू मेंबर के साथ उसकी ऑफिशियल कैब के ड्राइवर ने रास्ते में दुष्कर्म किया। महिला राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (RGIA) जा रही थी। पुलिस ने 23 साल के आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

**शमशाबाद से एयरपोर्ट जाते समय ड्राइवर ने बदला रास्ता:** पुलिस के मुताबिक, घटना 20 जुलाई की है। महिला शमशाबाद से एयरपोर्ट जाने के लिए एयरलाइन द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑफिशियल कैब में दोपहर करीब 2.40 बजे सवार हुई थी। कैब को तय रूट से एयरपोर्ट जाना था, लेकिन ड्राइवर उसे रास्ता बदलकर एयरपोर्ट के पास ही एक निर्माणाधीन साइट के पास सुनसान जगह पर ले गया।

शमशाबाद एसीपी वी. कांत गौड़ ने बताया कि आरोपी ड्राइवर ने शुरुआत में महिला से कहा कि वह टॉयलेट के लिए बाहर जा रहा है।

# पंजाब का भूजल खतरे की आखिरी दहलीज पर, तय सीमा से 56 फीसदी ज्यादा दोहन, 111 ब्लॉक रेड जोन में पहुंचे

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब में भूजल का संकट लगातार गहराता जा रहा है। राज्य अपने वार्षिक दोहन योग्य भूजल संसाधनों की तुलना में 56 प्रतिशत अधिक भूजल निकाल रहा है। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में यह जानकारी देते हुए बताया कि ताजा भूजल आकलन के अनुसार पंजाब के 153 आकलन ब्लाकों में से 111 ब्लाक ओवर-एक्सप्लाइटेड श्रेणी में पहुंच चुके हैं। केंद्र ने चेताया है कि सिंचाई के लिए भूजल पर अत्यधिक निर्भरता और पानी की अधिक खपत वाली धान की खेती के कारण राज्य में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री सीआर पाटिल ने बताया कि पंजाब का वार्षिक भूजल पुनर्भरण ( एनुअल ग्राउंड वाटर रिचार्ज) 18.60 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) आंका गया है, जबकि

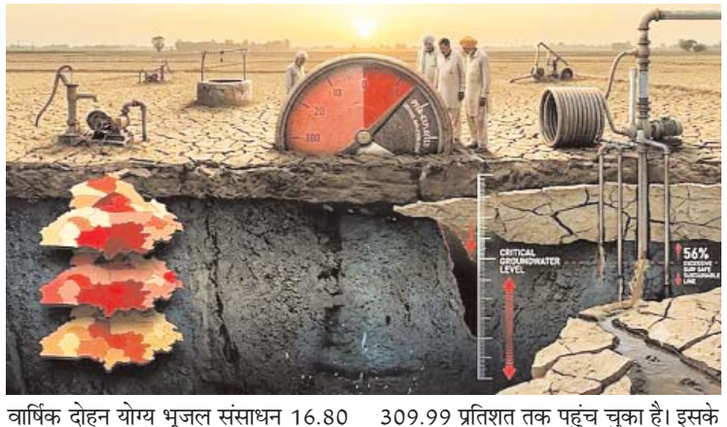


वार्षिक दोहन योग्य भूजल संसाधन 16.80 बीसीएम है। इसके बावजूद राज्य में वास्तविक भूजल दोहन इस सीमा से 56 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया है।

**संगरूर सबसे अधिक प्रभावित:** केंद्र सरकार की ओर से जारी जिला-वार आकलन में संगरूर सबसे अधिक प्रभावित जिला सामने आया है। यहां भूजल दोहन 309.99 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इसके बाद मलेरकोटला (301.93 प्रतिशत), जालंधर (281.17 प्रतिशत), कपूरथला (242.96 प्रतिशत), मोगा (233.09 प्रतिशत), बरनाला (219.36 प्रतिशत) और पटियाला (208.53 प्रतिशत) का स्थान है। इन जिलों में भूजल का दोहन टिकाऊ सीमा से कई गुना अधिक है। इसी तरह तरनतारन (202.49 प्रतिशत), लुधियाना (194.65 प्रतिशत), फतेहगढ़ साहिब (182.13 प्रतिशत) और अमृतसर (160.33 प्रतिशत) में भी भूजल दोहन निर्धारित सीमा से काफी ऊपर दर्ज किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि राज्य के अधिकांश कृषि प्रधान क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक उपयोग जारी है।

### कुछ जिलों में स्थिति बेहतर

हालांकि कुछ जिलों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर पाई गई है। मुक्तसर साहिब में भूजल दोहन 27.81 प्रतिशत, पठानकोट में 41.05 प्रतिशत और फाजिल्का में 65.18 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं रूपनगर में यह आंकड़ा 92.80 प्रतिशत रहा, जो अभी गंभीर श्रेणी से नीचे है। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि पंजाब में भूजल संकट की बड़ी वजह सिंचाई के लिए भूजल पर अत्यधिक निर्भरता और पानी की अधिक खपत वाली फसलों का व्यापक रकबा है। इसी कारण राज्य के अधिकांश ब्लाक लगातार ओवर-एक्सप्लॉइटेड श्रेणी में पहुंच रहे हैं।

### समय के साथ बदलाव की जरूरत

विशेषज्ञ भी लंबे समय से फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को बढ़ावा देने, वर्षा जल संचयन और भूजल के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका मानना है कि यदि इन उपायों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया तो पंजाब में भूजल का संकट आने वाले समय में कृषि और पेयजल दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन

## 'छात्रों को भड़का कर देश में गृहयुद्ध कराना चाहता है विपक्ष', युवा चेतना के रोहित ने लगाया आरोप

**मुंबई, एजेंसी।** युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित सिंह ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष छात्रों और नौजवानों को दिग्भ्रमित करके देश में गृहयुद्ध कराने की साजिश रच रहा है। रोहित सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों और नौजवानों के प्रति संवेदनशील हैं। भारत सरकार के नेतृत्व में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

**'राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रहीं':** उन्होंने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा, 'इनकी सांठ-गांठ विदेशों से है। इनको देश की प्रतिष्ठा, भारतीय संस्कृति और सभ्यता से कोई लेना-देना नहीं है। जिन लोगों ने परिवारवादी राजनीति को अपना आभूषण बनाया है, आज वो भोले-भाले छात्रों को भड़का कर अपनी राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं।' रोहित सिंह ने आगे कहा कि युवा चेतना कश्मीर से कन्याकुमारी तक नौजवानों में जागरूकता अभियान चलाएगी। भारत के छात्रों और नौजवानों का भविष्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षित है। कांग्रेस और विपक्ष ने हमेशा देश के छात्रों को पीड़ा पहुंचाने का काम किया है।

## एचसी से मिली जमानत को रद्द में नहीं दी जानी चाहिए चुनौती', सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने छत्तीसगढ़ सरकार की अपील खारिज की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आपराधिक न्याय प्रक्रिया के कामकाज पर एक अहम टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जब कोई हाई कोर्ट किसी आरोपी को जमानत दे देता है तो उसे अंतिम माना जाना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट को उस आदेश के खिलाफ राज्य की अपील पर विचार नहीं करना चाहिए। यह अहम टिप्पणी भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने की। यह टिप्पणी तब की गई जब वे छत्तीसगढ़ सरकार की उस अपील पर सुनवाई कर रहे थे जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को जमानत दिए जाने को चुनौती दी गई थी।

**हाई कोर्ट के आदेश पर सवाल भी उठाए:** बेंच ने हाई कोर्ट के आदेश पर गंभीर सवाल उठाए लेकिन साथ ही यह भी कहा कि न्यायिक व्यवस्था को 1980 के दशक वाले उस दौर में लौटना चाहिए, जब तत्कालीन सीजेआई पीएन भगवती ने कहा था कि जमानत देने वाले हाई कोर्ट के आदेश अंतिम होने चाहिए।

## हिमाचल सरकार का 1800 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य रहा अधूरा, जल आयोग के पुनर्गठन पर अब असमंजस

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश में राज्य जल आयोग के पुनर्गठन को लेकर असमंजस बना हुआ है। आयोग के अध्यक्ष और दोनों सदस्यों का कार्यकाल 11 अगस्त को समाप्त हो रहा है। जलशक्ति विभाग ने आयोग के भविष्य पर निर्णय के लिए फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दी है। हालांकि, तीन सदस्यीय आयोग पिछले तीन वर्षों से निष्क्रिय है, क्योंकि जल उपकर (वाटर सेस) से जुड़ा मामला न्यायालय में लंबित है। सरकार ने वित्तीय लाभ और जल संसाधनों के पारदर्शी प्रबंधन की मंशा से आयोग का गठन किया था, लेकिन यह संस्था अपने मूल उद्देश्यों को प्राप्त करती नजर नहीं आ रही।

**1800 करोड़ के राजस्व लक्ष्य के साथ हुआ था गठन:** जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और सालाना 1,800 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य के साथ आयोग का गठन हुआ था। आयोग ने 173 जलविद्युत कंपनियों को 871 करोड़ रुपये के जल उपकर के नोटिस जारी किए थे। कुछ निजी कंपनियों ने शुरुआती दौर में 180 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया, लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र और बड़ी बिजली कंपनियों के अदालत जाने के बाद वसूली पूरी तरह ठप हो गई।

**सूचना आयोग भी एक साल से निष्क्रिय:** हिमाचल प्रदेश राज्य सूचना आयोग भी पिछले लगभग एक वर्ष से निष्क्रिय है। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त आरडी धीमान और सूचना आयुक्त अमित कश्यप के रेरा में नियुक्त होने के बाद दोनों पद खाली हैं। इनके कारण आरटीआइ अधिनियम के तहत द्वितीय अपीलों और शिकायतों की सुनवाई बंद है तथा 1,500 से अधिक मामले लंबित हो चुके हैं। प्रशासनिक सुधार विभाग ने इन पदों को भरने के लिए वर्ष 2026 में विज्ञापन जारी कर फरवरी तक आवेदन मांगे थे, लेकिन चयन प्रक्रिया पूरी नहीं होने से अब तक नई नियुक्तियां नहीं हो सकी हैं। इससे जल आयोग और सूचना आयोग, दोनों ही महत्वपूर्ण संस्थाओं की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

## भव्य शाही वरघोड़े के साथ कल होगा आचार्य चिदानंद सुरीश्वरजी का चातुर्मास प्रवेश

**उम्मीद जोधपुर।** परम पूज्य तत्वचिंतक एवं गोड़वाड़ केसरी आचार्य चिदानंद सुरीश्वरजी आदि ठाणा-3 तथा साध्वी पूर्ण प्रज्ञा आदि ठाणा-3 का पावन चातुर्मास प्रवेश 24 जुलाई शुक्रवार को गुलाब नगर में भव्य धार्मिक आयोजन के साथ होगा। मारवाड़ जैन संघ एवं चातुर्मास व्यवस्था समिति-2026 की ओर से आयोजित इस प्रवेश महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में देशभर से बड़ी संख्या में गुरु भक्तों के शामिल होने की संभावना है। शोभायात्रा होगी आकर्षण का केंद्र समिति अध्यक्ष गौतम सालेचा ने बताया कि प्रवेश शोभायात्रा में सुसज्जित हाथी एवं घोड़े आकर्षण का केंद्र होंगे। शोभायात्रा में 32 कलाकारों की बैंड टीम तथा 18 कलाकारों का नासिक ढोल दल धार्मिक धुनों से वातावरण को भक्तिमय बनाएगा। मुख्य लाभार्थियों के लिए विंटेज कार तथा अन्य लाभार्थियों के लिए सुसज्जित घोड़ा-बग्गियों की व्यवस्था की गई है।

## ईस्ट ऑफ कैलाश में दूषित पानी की समस्या पर जल बोर्ड सक्रिय, आरडब्ल्यूए ने उठाई सीवर लाइन बदलने की मांग

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दक्षिणी दिल्ली के ईस्ट आफ कैलाश इलाके में दूषित जलापूर्ति की शिकायत पर दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की टीम ने बुधवार सुबह मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। टीम में शामिल अधिकारियों ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से मुलाकात कर समस्या के बारे में जानकारी जुटाई और जल्द ही समस्या से राहत दिलाने का आश्वासन दिया। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने टीम को जानकारी दी कि पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त होने की वजह से स्थानीय लोग दूषित जलापूर्ति की परेशानी से जूझ रहे हैं। दरअसल, ईस्ट आफ कैलाश के जी ब्लाक में पिछले 15 दिनों से घरों में दूषित पानी आने की परेशानी बनी हुई है। इसे लेकर आरडब्ल्यूए ने जल बोर्ड और स्थानीय सांसद रामबीर सिंह

विधूड़ी को शिकायत दी थी। आरडब्ल्यूए की शिकायत मिलने के बाद सांसद ने भी जल बोर्ड को पत्र लिखकर इलाके में पाइपलाइन दूषित पानी की समस्या से राहत दिलाने को निर्देश जारी किए थे। वहीं लोगों की इस परेशानी को दैनिक जागरण की टीम ने बुधवार को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

### टीम ने मौके पर जाकर समस्या के बारे में जानकारी जुटाई

इसके बाद जल बोर्ड की टीम ने मौके पर जाकर समस्या के बारे में जानकारी जुटाई। आरडब्ल्यूए से एनके मित्तल और पवन शर्मा ने कहा कि दैनिक जागरण की खबर का संज्ञान लेते हुए सुबह टीम निरीक्षण के लिए पहुंची है। आरडब्ल्यूए ने लगातार बनी समस्या से स्थायी राहत दिलाने के लिए जी-1से जी-26 तक पुरानी सीवर लाइन बदलने की मांग रखी है। जल बोर्ड के अधिकारियों ने फिलहाल लीकेज का पता लगाकर जल्द दूषित जलापूर्ति से राहत दिलाने और पाइपलाइन बदलने पर आगे प्रस्ताव रखने का आश्वासन दिया है। ईस्ट आफ कैलाश जी ब्लाक आरडब्ल्यूए की ओर से पेयजल की परेशानी को लेकर शिकायत मिली थी। दिल्ली जल बोर्ड तो इस मामले पर तत्काल जरूरी कार्रवाई करने और समस्या से निजात दिलाने के लिए पत्र लिखा गया है।

## सिक्किम टनल हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 22 हुई, तीन अन्य की तलाश जारी

**गंगटोक, एजेंसी।** एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे श्रमिकों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान गुरुवार देर रात तक लगातार जारी रहा। बचाव दलों ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच अभियान को जारी रखते हुए शेष लोगों की तलाश के प्रयास तेज कर दिए हैं। रात लगभग 10 बजे पश्चिम बंगाल के आसनसोल से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की दूसरी विशेष बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंची और तुरंत अभियान में शामिल हो गई। विभिन्न एजेंसियों की टीम समन्वय के साथ मध्यरात्रि तक लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

**अब तक 22 के शव बरामद:** ताजा जानकारी के अनुसार, सुरंग से अब तक 22 मृतकों के शव बरामद किए जा चुके हैं। शेष लोगों की तलाश के लिए विशेष बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं। नामची जिला प्रशासन तथा संबंधित सभी एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। साथ ही, बचाव कार्य में जुटी टीमों और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

**3 लोगों की तलाश जारी:** बता दें कि हादसा सोमवार दोपहर को टनल के अंदरमिथेन गैस रिसाव होने के कारण हुई थी। सोमवार से बचाव और आउद्धार कार्य लगातार चल रही है। एनएनपीसी केआधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार टनल के अंदर 25 लोग फंसे हुए थे, गुरुवार सुबह से बांकि के तीन लोगों की तलाशी में टीम जुटी हुई है।

## अमेरिका के मैडिसन में पुलिस पर फायरिंग: गिरफ्तारी के दौरान अधिकारी पर किया हमला, जवाबी कार्रवाई में आरोपी ढेर

**मैडिसन, एजेंसी।** मैडिसन के एक पुलिस अधिकारी ने एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी। क्योंकि पीड़ित ने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए पुलिस को चाकू से घायल कर दिया था। यह जानकारी शहर के पुलिस प्रमुख ने दी। घटना के तुरंत बाद गोलीबारी का मोबाइल वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में तीन गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है। मैडिसन पुलिस प्रमुख जॉन पैटरसन ने एक संवाददाता

सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया कि प्रसारित हो रहा फुटेज घटना का सिर्फ एक पहलू है। पैटरसन ने कहा 'मैं इस दुखद घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं। पैटरसन ने बताया कि मृतक की उम्र 30 वर्ष के आसपास थी, लेकिन पुलिस ने उसका नाम जारी नहीं किया।

**यह घटना कहां हुई** : यह गोलीबारी राज्य की राजधानी से दो मील से भी कम दूरी पर स्थित एक लोकप्रिय इलाके की सड़क पर हुई, जहां रेस्तरां, बार, दुकानें और आवासीय मकानों की भरमार है। घटना के फुटेज में चौराहे पर कई कारें रुकी हुई दिखाई दे रही हैं और लोग घटनाक्रम को अपनी आंखों से देख रहे हैं।

2015 में, उसी सड़क पर एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने टोनी रॉबिन्सन, जो

मिश्रित नस्ल के थे उसको गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। जिला अटॉर्नी ने उस घटना में पुलिस के खिलाफ कोई आरोप दायर नहीं किया, क्योंकि उन्होंने अधिकारी की कार्रवाई को उचित ठहराया था। बुधवार को गोली चलाने वाले अधिकारी और गोली लगने से मारे गए व्यक्ति की नस्ल के बारे में पुलिस ने कोई जानकारी जारी नहीं की। लेकिन मैडिसन में अश्वेत समुदाय के समर्थकों ने कहा कि मरने वाला व्यक्ति अश्वेत था।

### अश्वेत समुदाय के लोगों ने क्या कहा

मैडिसन स्थित अश्वेत समुदाय के हिमायती समूह अर्बन ट्रायज की प्रमुख ब्रांडी ग्रेसन ने कहा 'मैडिसन की एक सड़क पर एक और अश्वेत व्यक्ति की मौत हो गई। हमारे समुदाय ने उसका नाम जानने से पहले ही उसे मरते हुए देखा। यह राज्य हिंसा की क्रूरता है।'पुलिस को क्या सूचना मिली पैटर्सन ने बताया कि पुलिस को पड़ोस में खड़ी गाड़ियों में घुसने की कोशिश करने की सूचना मिली थी। पैटर्सन ने बताया कि संदिग्ध पुलिस अधिकारियों के सड़क पर संपर्क करने से पहले पास के पिछे से होते हुए बाइक पर भाग निकला। पैटर्सन ने बताया कि संदिग्ध या तो अपनी बाइक से गिर गया या अधिकारियों ने उसे बाइक से नीचे उतारा और हाथापाई के दौरान उसने चाकू निकालकर एक अधिकारी को घायल कर दिया। पुलिस प्रमुख ने बताया कि एक अधिकारी ने टेजर का इस्तेमाल किया, लेकिन वह असफल रहा। उन्होंने आगे बताया कि चाकू से घायल हुए उसी अधिकारी ने अपनी बंदूक चलाई और गोली लगने वाले व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बंदूक चलाने वाले अधिकारी को एक अनुभवी अधिकारी बताया, लेकिन इसके अलावा कोई और जानकारी नहीं दी। पैटर्सन ने बताया कि एक अन्य अधिकारी घायल हो गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कैसे। अन्य दो अधिकारी सुरक्षित हैं। विस्कॉन्सिन का आपराधिक जांच विभाग इस गोलीबारी की जांच करेगा क्योंकि इसमें पुलिस अधिकारी शामिल हैं।

## नापाक बोल: 'मुझे पीओके का प्रधानमंत्री बना दो'; नवाज शरीफ चुनावी रैली में कश्मीर का जिक्र कर और क्या बोले

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि यदि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतती है तो वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें पीओके का प्रधानमंत्री बनाने का अनुरोध करेंगे, ताकि वह वहां के विकास कार्यों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर सकें।

**नवाज शरीफ ने चुनावी रैली में क्या कहा:** नवाज शरीफ ने मंगलवार को मुजफ्फराबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर उनके लिए पंजाब जितना ही प्रिय है। उन्होंने कहा कि यह मेरा दूसरा घर है। मेरे पूर्वज कश्मीर से आए थे। उन्होंने आगे कहा कि यदि पीएमएल-एन चुनाव जीतती है तो वह अपने छोटे भाई और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से आग्रह करेंगे कि उन्हें पीओके का प्रधानमंत्री बनाया जाए, ताकि वह वहां के विकास कार्यों की स्वयं निगरानी कर सकें।

**भारत पहले ही इन चुनावों का विरोध क्यों करता रहा है:** भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा केंद्रशासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान ने इन क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर अवैध और जबरन कब्जा कर रखा है।

# जॉर्डन में ईरान का हमला: 25 साल की अमेरिकी सैनिक की मौत, भारतीय मूल की आर्मी सार्जेंट एंजेला रामप्रसाद कौन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने बताया कि पिछले सप्ताह जॉर्डन में एक ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिक एंजेला रामप्रसाद की मौत हो गई। रामप्रसाद का संबंध त्रिनिदाद और टोबैगो से था। वह 17 जुलाई को जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयर बेस पर मिसाइल हमले में मारी गई थीं। बुधवार को (स्थानीय समय) डेलावेयर के डोवर एयर बेस पर रामप्रसाद और पश्चिम एशिया में मारे गए तीन अन्य अमेरिकी सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ स्थानांतरित किया गया। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद थे। रामप्रसाद न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क की निवासी थीं। त्रिनिदाद और टोबैगो सरकार ने संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति संवेदना

व्यक्त की। उन्होंने रामप्रसाद को विशेष श्रद्धांजलि दी, जिनके पिता त्रिनिदाद और टोबैगो के नागरिक हैं और मां अमेरिकी नागरिक हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर ने कहा कि देश को रामप्रसाद के निधन पर विशेष दुख है। उन्होंने कहा कि रामप्रसाद का त्रिनिदाद और टोबैगो से गहरा संबंध था। डोवर एयर बेस पर ट्रंप, हेगसेथ, अमेरिकी सीनेटरों और सेना के अधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

**सैन्य सेवा और सम्मान:** सेना ने बताया कि रामप्रसाद मार्च 2019 में भर्ती हुई थीं। उन्होंने आर्मी कमेंडेशन मेडल, आर्मी अचीवमेंट मेडल (दो ओक लीफ क्लस्टर के साथ) प्राप्त किए। उन्हें आर्मी गुड कंडक्ट मेडल, नेशनल डिफेंस सर्विस मेडल और आर्मी सर्विस रिबन से भी सम्मानित किया गया था। ब्रिगेडियर जनरल ग्लेन हेनके ने रामप्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर 17 जुलाई को ईरान ने हमला किया। 25 साल की आर्मी सार्जेंट एंजेला रामप्रसाद ने गंवाई जान। एंजेला ईरान और अमेरिका के बीच जंग में जान गंवाने वाली चौथी अमेरिकी सैनिक।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, एंजेला और अन्य अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लिया जाएगा। इससे पहले अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने भारतीय मूल की अमेरिकी सैनिक एंजेला रामप्रसाद के लापता होने की बात ही थी। एंजेला भारतीय मूल के उस समुदाय से थीं, जिसके लोग गुयाना से अमेरिका जाकर बसे हैं। स्थानीय डेमोक्रेटिक पार्टी के एक नेता के मुताबिक, उनके पिता का नाम बासदेव रामप्रसाद है। पेंटागन ने बताया कि एंजेला न्यूयॉर्क सिटी के क्वींस इलाके के ओजोन पार्क की रहने वाली थीं। इस इलाके में भारतीय मूल के गुयाना से आए लोगों की बड़ी आबादी रहती है।

**अधिकारियों की संवेदना:** बुधवार को डोवर एयर फोर्स बेस पर रामप्रसाद की मां अपनी बेटी के पार्थिव शरीर को लेने के लिए मौजूद थीं। 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड के कमांडिंग जनरल ग्लेन हेनके ने कहा, 'आज, हम सार्जेंट एंजेला रामप्रसाद के नुकसान पर शोक मना रहे हैं।' उन्होंने उनके परिवार और इस अकल्पनीय क्षति से जूझ रहे सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। हेनके ने कहा कि 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड दुखी है। हम इस त्रासदी से निपटते हुए एक-दूसरे का समर्थन करना जारी रखेंगे।

**अमेरिकी नेताओं ने श्रद्धांजलि में क्या कहा:** असेंबली मेंबर जेनिफर राजकुमार ने कहा कि सार्जेंट रामप्रसाद ने संयुक्त राज्य अमेरिका और देश का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व किया।

# दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में शहडोल कांग्रेस का प्रदर्शन, कहा- शांतिपूर्ण आंदोलन संवैधानिक अधिकार

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और कांग्रेस नेताओं पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर के सामने धरना-प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए घटना की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगें रखीं कांग्रेस नेताओं का कहना था कि छात्रों और युवाओं की समस्याओं को सुनने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया जा रहा



है जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।

**छात्रों की आवाज दबाने का लगाया आरोप:** जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे उन्होंने कहा कि छात्र केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना दे रहे थे लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस दौरान कई छात्रों और आंदोलनकारियों को चोटें भी आईं। अजय अवस्थी ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार को जनता और छात्रों की समस्याओं को सुनना चाहिए न कि उनकी आवाज को दबाने का प्रयास करना चाहिए। बातचीत के माध्यम से समाधान की मांग धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान संवाद के माध्यम से होना चाहिए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा



कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता छात्रों की मांगों के समर्थन में खड़े थे लेकिन उनके साथ भी पुलिस द्वारा कथित रूप से दुर्व्यवहार किया गया। कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया।

**राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन:** प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और छात्रों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई कांग्रेस ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि शिक्षा और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाए पार्टी नेताओं का कहना था कि देश के युवाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, ताकि उनमें विश्वास बना रहे।

**लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग:** कांग्रेस नेताओं ने कहा कि धरना, प्रदर्शन और अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाना लोकतंत्र का हिस्सा है उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण आंदोलनों पर कार्रवाई करना जनता की आवाज को कमजोर करने जैसा है उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की मांगों पर विचार कर उचित कदम उठाने चाहिए और भविष्य में ऐसी परिस्थितियां नहीं बननी चाहिए जहां छात्रों को अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करना पड़े।

**प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद:** शहडोल में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी शामिल हुए इनमें पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, नीरज द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता महमूद अहमद, मुबारक मास्टर, निवास शर्मा, जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, नगर अध्यक्ष प्रभात पांडेय, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष संध्या सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** रीवा जिले के जवा थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की है रीवा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के निर्देशन तथा एसडीओपी डभौरा नारायण सिंह कुमरे के मार्गदर्शन में जवा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरविंद सिंह राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया पुलिस के अनुसार थाना जवा में दर्ज गुम इंसान क्रमांक 27/26 की जांच के दौरान जानकारी मिली थी कि थाना सोहागी क्षेत्र अंतर्गत टमस नदी में एक शव मिला है। सूचना मिलने के बाद जवा थाना पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक 19/26 धारा 194 बीएनएसएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कीजांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल, परिस्थितियों और संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर साक्ष्य एकत्र किए विवेचना में पुलिस को आरोपी विपिन शर्मा उर्फ सेन के विरुद्ध मृतिका को आत्महत्या के लिए उकसाने से संबंधित साक्ष्य प्राप्त हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी विपिन शर्मा उर्फ सेन पिता विनोद कुमार शर्मा निवासी सिटकहियां अकौढ़ा, थाना कौधियारा, जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के खिलाफ थाना जवा में अपराध क्रमांक 187/26 धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गयामामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को विधि अनुसार न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद आरोपी को जेल भेजने के आदेश दिए। इस कार्रवाई में जवा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अरविंद सिंह राठौड़ सहित पुलिस टीम के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही पुलिस टीम में सहायक उपनिरीक्षक रन्नू देवी, आरक्षक सूरज सिंह, आरक्षक वेद वर्मा, आरक्षक शरद पांडेय और सैनिक हीरामणि पांडेय शामिल रहे।

## टिकट खुर्द में सचिव-सहायक सचिव को हटाने की मांग पर तीसरे दिन भी अनशन जारी, कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी



**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** रामपुर नैकिन जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत टिकट खुर्द में पंचायत व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन अनशन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा ग्रामीण पंचायत सचिव और सहायक सचिव को हटाने सहित कई समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं उनका कहना है कि जब तक जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती और उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता तब तक धरना और अनशन जारी रहेगा अनशन का नेतृत्व कर रहे आयुष सिंह बघेल ने दोपहर करीब एक बजे ग्रामीणों के साथ अपनी मांगें दोहराईं उन्होंने कहा कि गांव के लोग लंबे समय से प्रशासनिक लापरवाही और बुनियादी सुविधाओं के अभाव का सामना कर रहे हैं लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ ऐसे में ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सचिव, सहायक सचिव और सरपंच नियमित रूप से पंचायत कार्यालय नहीं आते, जिससे आम लोगों के छोटे-छोटे काम भी समय पर नहीं हो प्रमाण पत्र, पेंशन, आवास योजना और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को बार-बार पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते हैं ग्रामीणों ने पंचायत भवन में कंप्यूटर और प्रिंटर जैसी आवश्यक सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी उठाया उनका कहना है कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में ये संसाधन उपलब्ध होने चाहिए लेकिन टिकट खुर्द पंचायत अब भी इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित है जिससे सरकारी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर महिलाओं और युवतियों के साथ अभद्र व्यवहार तथा आपत्तिजनक टिप्पणी करने के गंभीर आरोप भी लगाए हैं उनका कहना है कि यदि समय रहते इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी । इसके अलावा ग्रामीणों ने गांव में पेयजल संकट, खराब पड़े हैंडपंप, पात्र हितग्राहियों को पेंशन का लाभ नहीं मिलने, प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किस्त के वितरण में अनियमितता तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दे भी उठाए।

## एक हेक्टेयर पैतृक जमीन को लेकर दो परिवारों में हिंसक झड़प

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के देवसर थाना क्षेत्र अंतर्गत चुरकी गांव में पैतृक जमीन के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया करीब एक हेक्टेयर जमीन के कब्जे को लेकर दो परिवार आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। घटना के दौरान महिलाओं और पुरुषों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और हाथापाई हुई इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो एक ग्रामीण ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार चुरकी गांव में एक हेक्टेयर पैतृक जमीन को लेकर दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था इसी विवाद के चलते 18 जुलाई को दोनों पक्ष खेत पर आमने-सामने आ गए पहले कहासुनी हुई, जिसके बाद मामला बढ़ते-बढ़ते मारपीट तक पहुंच गया विवाद के दौरान दोनों पक्षों के महिला और पुरुष सदस्य भी आमने-सामने आ गए जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया घटना के समय वहां मौजूद एक ग्रामीण ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया गुरुवार को यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। देवसर एसडीओपी गायत्री मिश्रा ने बताया कि वायरल वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया है उन्होंने कहा कि भोला सिंह और उनके भाइयों के बीच जमीन को लेकर विवाद की शिकायत पहले ही देवसर थाने में दर्ज कराई जा चुकी है।

## एक और दो रुपये के सिक्कों के चलन के लिए संघर्ष करने वाले इंद्रलाल पटेल का सम्मान



**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** एक और दो रुपये के सिक्कों को दोबारा प्रचलन में लाने के लिए लंबे समय तक संघर्ष करने वाले छात्र नेता इंद्रलाल पटेल और उनकी टीम का सम्मान किया गया उनके प्रयासों से रीवा संभाग सहित विंध्य क्षेत्र और बुंदेलखंड के कई जिलों में आम लोगों को राहत मिली हैस्टूडेंट एजुकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के माध्यम से इंद्रलाल पटेल ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। बताया गया कि कई स्थानों पर व्यापारी, वाहन चालक और दुकानदार एक एवं दो रुपये के सिक्के स्वीकार नहीं कर रहे थे, जिसके कारण छात्रों और आम नागरिकों को छोटी राशि के भुगतान के लिए भी अधिक पैसे खर्च करने पड़ते थे इस समस्या के समाधान के लिए इंद्रलाल पटेल ने सीधी से लेकर भोपाल तक संघर्ष किया उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर समस्या के निराकरण की मांग की। इसके अलावा सीधी जिला कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन भी सौंपा गया था लंबे समय तक चलाए गए अभियान के बाद सिक्कों के चलन और स्वीकार्यता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी इस महत्वपूर्ण जनहित कार्य के लिए जिला अधिवक्ता संघ सीधी के पदाधिकारियों, छात्र संगठन के सदस्यों और आम नागरिकों ने इंद्रलाल पटेल एवं उनकी टीम का सम्मान करते हुए उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया सम्मान कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि छोटे मूल्य के सिक्कों को लेकर आम जनता को होने वाली परेशानी को दूर करने के लिए किया गया यह प्रयास सराहनीय है उन्होंने कहा कि किसी भी जनसमस्या को लेकर लगातार प्रयास और जागरूकता अभियान चलाने से सकारात्मक बदलाव संभव है।

## बारिश को लेकर कलेक्टर अलर्ट: जलभराव रोकने, नालियां साफ रखने और त्वरित राहत के निर्देश

**सीधी।** जिले में लगातार हो रही बारिश और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित रखें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जलभराव संभावित क्षेत्रों की नियमित निगरानी की जाए तथा नालियों और नालों की समय पर सफाई कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही पेड़ गिरने, सड़क अवरुद्ध होने या अन्य आपात स्थिति की सूचना मिलते ही संबंधित अमला तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करे। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने, जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सफाई अभियान चलाने तथा आवश्यकतानुसार ब्लीचिंग पाउडर और अन्य दवाओं का छिड़काव कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने पुल-पुलियों, निचले इलाकों और जलभराव वाले संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने, चेतावनी संकेतक और बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी नियमित फील्ड भ्रमण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं सहायता उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

## अवैध शराब की तलाश में पहुंची पुलिस का ग्रामीणों ने किया विरोध, खाली हाथ लौटी टीम



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के लौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तड़ौरा में अवैध शराब की तलाश में पहुंची पुलिस कार्रवाई का ग्रामीणों ने विरोध कर दिया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें पुलिस टीम को ग्रामीणों के विरोध के बीच वापस लौटते हुए देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पुलिस के साथ शराब ठेकेदार के कुछ निजी लोग भी मौजूद थे हालांकि पुलिस ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा है कि कार्रवाई के दौरान ठेकेदार पक्ष का कोई व्यक्ति पुलिस टीम के साथ नहीं था। जानकारी के अनुसार घटना बुधवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है लौर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम तड़ौरा में एक घर में अवैध रूप से शराब रखी गई है।सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संबंधित घर की तलाशी ली गई। ग्रामीणों के अनुसार तलाशी के दौरान पुलिस को घर से शराब की कोई बोतल या अन्य सामग्री नहीं मिली इसके बाद पुलिस द्वारा घर के एक व्यक्ति को साथ ले जाने का प्रयास किया गया जिस पर परिवार के लोगों ने विरोध शुरू कर दिया परिजनों के विरोध की जानकारी मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए जाने लगे ग्रामीणों ने पुलिस से कार्रवाई का आधार और तलाशी में मिले सामान की जानकारी मांगी।मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस टीम के साथ शराब ठेकेदार के कुछ निजी लोग भी आए थे ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब की कार्रवाई के नाम पर निजी लोगों की मौजूदगी से संदेह पैदा होता है ग्रामीणों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

## सीधी में धान रोपाई के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आए किसान की मौत

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र के बघोड़ी गांव में गुरुवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया धान की रोपाई के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई हादसा उस समय हुआ जब किसान अपने खेत में करीब 14 मजदूरों के साथ कृषि कार्य में जुटे हुए थे अचानक बदले मौसम के बीच हुई इस घटना से खेत में मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार बघोड़ी गांव निवासी राम सुंदर पटेल (58 वर्ष), पिता छोटकउ पटेल गुरुवार सुबह करीब 8 बजे अपने घर से लगभग तीन किलोमीटर दूर स्थित खेत में धान की रोपाई करने पहुंचे थे। उनके साथ करीब 14 मजदूर भी खेत में काम कर रहे थे। सभी लोग धान रोपाई के कार्य में व्यस्त थे तभी अचानक मौसम में बदलाव आया और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई बताया गया कि राम सुंदर पटेल खेत की मेड़ के पास धान की रोपाई कर रहे थे इसी दौरान उनके बेहद करीब आकाशीय बिजली गिर गई बिजली की चपेट में आने से किसान गंभीर रूप से झुलस गए और कुछ ही देर में उनकी मौके पर ही मौत हो गई घटना के बाद खेत में मौजूद मजदूरों ने तत्काल इसकी सूचना आसपास के लोगों और पुलिस को दी हादसे की जानकारी मिलते ही अमिलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। अमिलिया थाना प्रभारी राकेश बैस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में किसान की मौत आकाशीय बिजली गिरने के कारण होना प्रतीत हो रही है। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है और मौके पर मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## अवैध प्लाटिंग पर कलेक्टर का बड़ा एक्शन: 12 एकड़ में बस रही कॉलोनी पकड़ी, एफआईआर के निर्देश

**रीवा।** रीवा जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर से लगे गड़रिया क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में करीब 10 से 12 एकड़ भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति के प्लाटिंग और भूखंडों की बिक्री का मामला सामने आया। कलेक्टर ने पाया कि कॉलोनी में नियमों को दरकिनार कर प्लॉट काटे गए हैं, जबकि सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। मौके पर मौजूद पटवारी को लापरवाही पर फटकार लगाते हुए उन्होंने संबंधित कॉलोनाइजरों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि जिले में अवैध प्लाटिंग किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बिना अनुमति कृषि भूमि का उपयोग बदलकर प्लॉट बेचने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अवैध प्लॉट बेचे हैं, उनकी अन्य संपत्तियों की कुर्की कर कॉलोनी में आवश्यक मूलभूत सुविधाएं विकसित कराई जाएंगी। उन्होंने एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को पूरे मामले की विस्तृत जांच कर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता या लापरवाही सामने आई तो उसके विरुद्ध भी कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

## भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर अगस्त क्रांति मंच का प्रदर्शन, कुंज बिहारी ने प्रशासन को दी आंदोलन की चेतावनी



**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले में कथित भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं को लेकर अगस्त क्रांति मंच ने मोर्चा खोल दिया है। मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और विभिन्न समस्याओं से प्रभावित नागरिकों ने कलेक्टर मऊगंज के नाम ज्ञापन सौंपकर कई मामलों की जांच और कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल जीवन मिशन, गौशालाओं, पंचायतों, कथित फर्जी वेंडरों, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया मंच ने प्रशासन से इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है ज्ञापन सौंपने के दौरान पुलिस द्वारा की गई बैरिकेडिंग को लेकर कुंज बिहारी तिवारी ने प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाने वालों को रोकना उचित नहीं है उन्होंने कहा कि यदि भ्रष्टाचार के खिलाफ उठने वाली आवाजों को दबाने का प्रयास किया जाएगा तो इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होंगे। कुंज बिहारी तिवारी ने कहा कि भ्रष्टाचार ही कई समस्याओं की जड़ है उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण होने से विकास कार्यों में तेजी आएगी और आम जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सकेगा। अगस्त क्रांति मंच ने गौशालाओं को लेकर भी सवाल उठाए। ज्ञापन में कहा गया कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज गौवंश और जमीनी स्थिति का सत्यापन कराया जाना चाहिए मंच का आरोप है कि यदि बड़ी संख्या में गौवंश गौशालाओं में दर्ज हैं तो सड़कों पर घूम रहे गौवंश की स्थिति की भी जांच होनी चाहिए। इसके अलावा पंचायत स्तर पर होने वाले कार्यों, जल जीवन मिशन, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े मामलों की जांच की मांग भी की गई मंच ने आरोप लगाया कि कई योजनाओं में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। ज्ञापन में लालजी खरे एवं एकता खरे (बहुती) की गुमशुदगी, लैब परिचारक पंकज श्रीवास्तव की नियुक्ति, शिवराजपुर के युवक की मृत्यु की जांच, कथित फर्जी वेंडरों से जुड़े मामलों सहित कई विषयों को शामिल किया गया। कुंज बिहारी तिवारी ने नीट पेपर लीक मामले से जुड़ी छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी के परिजनों को आर्थिक सहायता देने की मांग भी दोहराई उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कदम उठाने चाहिए। उन्होंने जनपद पंचायत नईगढ़ी में कथित रूप से लगभग 650 करोड़ रुपये की जीएसटी और रॉयल्टी चोरी के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच की मांग भी की।


### कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/2203/राजस्व/न.पा.नि./2026 रीवा दिनांक 23/07/2026

**आवश्यक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्ननिखित अचल सम्पति को नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये है । उक्त संबध मे किसी को कोई आपत्ति हो तो,इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवश के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा मे प्रमाणित अभिलेखो के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे । निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नही की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जावेगी।

| क्र. | प्रकरण क्र. | वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति) | इन्द्राजी का नाम | नामांतरण ग्रहिता | नामांतरण का आधार |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 638 | 10/126/1 अनंतपुर, जिला रीवा (म0प्र0) | श्रीमती प्रवीण कुमारी सोनी पति श्री महेश कुमार सोनी | श्रीमती पुष्पा मिश्रा पति श्री मुकेश कुमार मिश्रा | क्रय-विक्रय |
| 2. | 665 | 07/345 मुरलीधर कालोनी बोदाबाग, जिला - रीवा (म0प्र0) | श्री राजशेखर तिवारी पिता श्री गोवर्धन प्रसाद तिवारी | श्रीमती मंजुला गुप्ता पति श्री दिनेश कुमार गुप्ता एवं अलका गुप्ता पिता श्री महावीर गुप्ता | क्रय-विक्रय |
| 3. | 662 | 07/770 हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोदाबाग, जिला रीवा (म0प्र0) | श्रीमती राशदा खान पति श्री हाजी अब्दुल कलीम खान | श्री सौरभ कुमार गुप्ता पिता श्री रामशुसील गुप्ता | क्रय-विक्रय |
| 4. | 648 | 04/1453/6 खैरी, जिला रीवा (म0प्र0) | श्रीमती चेतना मिश्रा पति श्री वी.पी. मिश्रा | श्री अभिषेक पाण्डेय पिता श्री कामता प्रसाद पाण्डेय | क्रय-विक्रय |

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

# परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए गंभीर चर्चा की आवश्यकता

संपादकीय

मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद नहीं चल पाई, क्योंकि कांग्रेस इस पर अड़ गई कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान त्यागपत्र दें, क्योंकि उनके इस्तीफे के बिना संसद में नीट पेपर लीक और इससे जुड़े अन्य विषयों पर सही तरह चर्चा नहीं हो पाएगी। यह विचित्र तर्क है और इसका उद्देश्य जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करना है, जिससे संसद में चर्चा ही न हो सके। उसके इस रवैये से उसकी अंगभीरता का ही पता चलता है। कांग्रेस का व्यवहार यह भी बता रहा है कि उसका उद्देश्य नीट मसले पर संसद में कोई सार्थक चर्चा करना नहीं, बल्कि हंगामा खड़ा करना है। यही भाव भंगिमा कुछ अन्य विप दलों की भी दिख रही है। यह भी दिख रहा है कि उनमें इसके लिए होड़ मची है कि कौन छात्र हित की अधिक चिंता करता हुआ दिखे।

इस सबकी नौबत इसलिए भी आई, क्योंकि सरकार ने नीट मसले पर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे समूह सीजेपी से समय रहते संपर्क-संवाद करने की आवश्यकता नहीं समझी। उसने यह काम उस दिन किया, जिस दिन संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा था और साथ ही सीजेपी का संसद मार्च भी। यदि सरकार समय पर सक्रिय होती तो संभवतः जो कुछ हुआ और हो रहा है, उससे बचा जा सकता था। नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की जवाबदेही बनती है, लेकिन उनका इस्तीफा समस्या का समाधान नहीं। ध्यान रहे परीक्षा में सेंध नीट का आयोजन करने वाली एजेंसी एनटीए की निगरानी में कमी के कारण लगी। इस तथ्य की भी अनदेखी न की जाए कि उन्हीं परीक्षकों ने पेपर लीक कराए, जिन पर इस परीक्षा की शुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी। स्पष्ट है कि यह नैतिक पतन और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा का भी मामला है।

इसके खिलाफ भी आवाज उठनी चाहिए। शिक्षा मंत्री का त्यागपत्र विपक्ष को संतुष्ट भले कर दे, लेकिन इससे परीक्षा व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित नहीं होगा। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने वाले तंत्र का सही तरीके से निर्माण करना है। एनटीए ने ऐसे तंत्र के निर्माण के लिए अभी जो कदम उठाए हैं, वे पर्याप्त नहीं। विपक्ष को परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने वाले ठोस तंत्र के निर्माण में सरकार को जवाबदेह बनाने के साथ उसका सहयोग भी करना चाहिए। यह तब संभव होगा, जब इस पर संसद में गंभीरता से चर्चा होगी।

संसद के भीतर-बाहर जैसी परिस्थितियां बन गई हैं, उन्हें देखते हुए शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र की संभावना इसलिए नहीं, क्योंकि ऐसा होने पर हर छोटे-बड़े मसले पर संबंधित मंत्री के त्यागपत्र की मांग का सिलसिला कायम हो जाएगा। यह सिलसिला सरकार को कमजोर करने के साथ ही उन तत्वों को बल भी देगा, जो अराजकता पर यकीन करते हैं।

## रटंतू शिक्षा बाजार में अरबों की कमाई: सपनों में युवाओं का भविष्य

**सनत जैन**

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं था। उसका उद्देश्य था, मनुष्य के भीतर विवेक, ज्ञान, चरित्र, कौशल और समाज के प्रति संपूर्ण उत्तरदायित्व का विकास करना। आज शिक्षा का बड़ा हिस्सा एक ऐसे बाजार में बदल गया है, जहां ज्ञान नहीं बल्कि सपने दिखाकर सफलता बेचने का कारोबार हो रहा है। करोड़ों युवाओं के सपनों को प्रतियोगी परीक्षाओं, कोचिंग संस्थानों और महंगी डिग्रियों के नाम पर एक ऐसी दौड़ में धकेल दिया गया है, जिसमें अधिकांश प्रतिभागी अंततः निराशा ही प्राप्त करते हैं। वर्तमान में यूपीएससी, पीएससी, जेईई, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए करोड़ों विद्यार्थी वर्षों तक तैयारी करते हैं। उनके सामने सफलता का ऐसा सपना प्रस्तुत किया जाता है। मानो जीवन का एकमात्र लक्ष्य किसी परीक्षा में चयन होना है। कोचिंग संस्थानों का विशाल करोबार, विद्यार्थियों को बार-बार प्रश्नपत्र हल करने, संभावित प्रश्न रटने और परीक्षा की तकनीक सिखाने पर केंद्रित रहता है। विद्यार्थी धीरे-धीरे एक रटंतू तोते में बदल जाता है, जो उत्तर तो याद कर लेता है, परीक्षा भी अच्छे अंकों में पास कर लेता है। इसके बाद भी इच्छित संस्थान में चयन नहीं हो पाता है। इसके बाद अन्य संस्थानों में एडमीशन लेकर लाखों रुपया प्रतिमाह के प्लेसमेंट के चक्कर में फंसकर समय और धन को बर्बाद करता है। प्लेसमेंट नहीं मिलने पर निराश हो जाता है। वह समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने की क्षमता विकसित नहीं कर पाता है। यह सच है, प्रतियोगी परीक्षाओं में सीमित पदों के लिए बहुत बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। ऐसे में अधिकांश का चयन नहीं हो पाता है। इस स्थिति का विश्लेषण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए, प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य उपलब्ध पदों के लिए चयन करना होता है। चुनौती यह है, शिक्षा और रोजगार की व्यापक व्यवस्था हो ताकि युवाओं के पास केवल एक ही रास्ता सीमित न हो। विश्वविद्यालयों और निजी शिक्षण संस्थानों की बढ़ती फीस ने शिक्षा को आम परिवार की पहुंच से दूर कर दिया है। लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी यदि विद्यार्थी रोजगार योग्य कौशल प्राप्त नहीं कर पाता है। उसके सामने आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का संकट खड़ा हो जाता है। डिग्री हाथ में होती है, रोजगार, उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कौशल नहीं होता है। परिणामस्वरूप कई शिक्षित युवाओं को अपेक्षाकृत कम वेतन वाली नौकरियों से शुरुआत करनी पड़ती है, या लंबे समय तक रोजगार की तलाश करनी पड़ती है। पढ़ाई के लिए लिया गया कर्ज भी लाखों परिवारो के लिए कष्ट का कारण बन गया है। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम मानसिक रुप पर पड़ रहा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की अपेक्षाएं, आर्थिक दबाव और बार-बार की असफलता से अनेक युवाओं को आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। समाज और परिवार उन्हें असफल मान लेता है। जबकि वास्तविकता यह है, कि उनमें से अधिकांश एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया में सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं। किसी एक परीक्षा में असफल होना व्यक्ति की प्रतिभा का अंतिम कारण नहीं हो सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा को परीक्षा-केंद्रित चयन व्यवस्था से बाहर निकाला जाए। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में आलोचनात्मक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता, डिजिटल कौशल, संचार क्षमता और व्यावहारिक प्रशिक्षण को समान महत्व दिया जाए। रोजगार और उद्योगों का शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत संबंध स्थापित किए जाएं। ताकि विद्यार्थी पढ़ाई के दौरान ही वास्तविक कार्य-अनुभव प्राप्त कर सकें। रोजगार कौशल आधारित शिक्षा के पाठ्यक्रम विकसित हों। सरकार, शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत और समाज, सभी की साझा जिम्मेदारी तय करे। शिक्षा संस्थान केवल डिग्री देने का माध्यम ना बनें। शिक्षा युवाओं को सोचने, सीखने, सृजन करने और अपने पैरों पर खड़ा होने की क्षमता नहीं देती है, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस शक्ति को केवल रटंतू शिक्षा और अंधी प्रतियोगिता में उलझाए रखा गया, तो यह एक बड़ी राष्ट्रीय क्षति होगी। यदि युवा वास्तविक ज्ञान, कौशल, नवाचार और आत्मनिर्भरता के साथ शिक्षित होंगे, तो भारत एक बार फिर दुनिया में अपनी बौद्धिक पहचान को मजबूत कर सकेगा।

# वंदे मातरम विधेयक 2026 -राष्ट्रीय सम्मान या अनिवार्य देशभक्ति

**वंदे मातरम विधेयक 2026- भारतीय बहुलतावादी लोकतंत्र में चुनौती- राष्ट्रीय गौरव की रक्षा भी हो, संविधान की आत्मा भी सुरक्षित रहे और नागरिक की अंतरात्मा की स्वतंत्रता भी अक्षुण्ण बनी रहे। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 केवल एक दंडात्मक कानून का प्रस्ताव नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के तीन महत्वपूर्ण स्तंभों राष्ट्रीय सम्मान, संवैधानिक स्वतंत्रता और नागरिक कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित करने की परीक्षा भी है ।**

**किशन सनमुखदास भावनानी**

वैश्विक स्तरपर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में जुलाई 2026 का मानसून सत्र केवल राजनीतिक टकराव के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रतीकों की संवैधानिक स्थिति को लेकर शुरू हुई एक नई बहस के कारण भी लंबे समय तक याद किया जा सकता है। 20 जुलाई 2026 को जब यह विधेयक संसद में प्रस्तुत किया गया,उसी समय विपक्ष ने इसके विरोध में तीखी आपत्ति दर्ज कराई।विभिन्न विप दलों ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अन्य तात्कालिक मुद्दों पर चर्चा की मांग की।सदन में लगातार हंगामा होता रहा और विधेयक पर विस्तृत चर्चा प्रारंभ नहीं हो सकी। 21 जुलाई 2026 तक की संसदीय स्थिति के अनुसार यह विधेयक प्रस्तुत तो हो चुका था, किंतु उस पर विचार- विमर्श और आगे की विधायी प्रक्रिया गतिरोध के कारण आगे नहीं बढ़ सकी। अर्थात विधेयक अभी कानून नहीं बना है और उसे संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करना शेष है।केंद्र सरकार द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 ने संसद से लेकर न्यायपालिका,संविधान विशेषज्ञों,राजनीतिक दलों, शिक्षाविदों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक व्यापक चर्चा को जन्म दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रस्तावित संशोधन का मूल उद्देश्य राष्ट्रगीत वंदे मातरम को वही वैधानिक संरक्षण प्रदान करना है जो अब तक राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान जन गण मन को प्राप्त है।यदि यह विधेयक वर्तमान स्वरूप में कानून बनता है तो किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करना, उसके गायन में बाधा डालना अथवा सार्वजनिक कार्यक्रम में उसका अनादर करना तीन वर्ष तक के कारावास जुर्माने या दोनों से दंडनीय अपराध बन सकता है। यहीं से वह संवैधानिक प्रश्न प्रारंभ होता है जिसने पूरे देश में चर्चा को जन्म दिया है,क्या यह राष्ट्रीय सम्मान को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है?,या फिर यह देशभक्ति को कानून के माध्यम से अनिवार्य बनाने का प्रयास माना जाएगा?

साथियों, मीडिया में आई जानकारी के अनुसार सरकार का पक्ष अत्यंत स्पष्ट है। केंद्र का कहना है कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष के दौरान लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसी गीत को प्रेरणा का स्रोत बनाया। अनेक क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर चढ़ते समय वंदे मातरम का उद्घोष करते थे। संविधान सभा के अंतिम चरण में 24 जनवरी 1950 को तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि जन गण मन राष्ट्रगान होगा जबकि वंदे मातरम को समान सम्मान प्राप्त रहेगा। सरकार का तर्क है कि स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को देखते हुए अब समय आ गया है कि इसे भी वैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जानबूझकर इसका अपमान न कर सके। सरकार यह भी कह रही है कि यह संशोधन किसी व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करने के लिए नहीं, बल्कि सटीकता से राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा के लिए लाया गया है।

साथियों, यह विधेयक वास्तव में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन का प्रस्ताव है। वर्तमान अधिनियम मुख्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान को दंडनीय बनाता है। प्रस्तावित संशोधन के बाद पहली बार राष्ट्रगीत वंदे मातरम को भी इसी श्रेणी में शामिल किया जाएगा। इसके अनुसार यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान करता है, उसके गायन में व्यवधान उत्पन्न करता है, किसी सार्वजनिक समारोह में उसे रोकने का प्रयास करता है या उसके सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधि करता है, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई की जा सकेगी। सरकार का कहना है कि यह संशोधन केवल जानबूझकर किए गए अपमान पर लागू होगा, यह सटीकता से सामान्य परिस्थितियों अथवा व्यक्तिगत विवेक पर नहीं। साथियों, लेकिन यही वह बिंदु है जहां से संवैधानिक विवाद प्रारंभ होता है। विपक्ष का कहना है कि संविधान सभा ने जानबूझकर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बीच कानूनी अंतर बनाए रखा था। यदि संविधान निर्माताओं की मंशा दोनों को समान कानूनी दर्जा देने की होती तो संविधान में उसी समय इसका स्पष्ट उल्लेख किया जाता। विप दलों, विशेषकर सीपीआई (एम), का आरोप है कि सरकार संविधान सभा की मूल भावना को बदलने का प्रयास कर रही है। उनके अनुसार देशभक्ति एक भावनात्मक और नैतिक मूल्य है, जिसे कानून के माध्यम से लागू नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि यदि किसी नागरिक के व्यक्तिगत या धार्मिक विश्वास के कारण वह राष्ट्रगीत नहीं गाना चाहता, तो उसे अपराधी नहीं बनाया जा सकता। साथियों, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर इस विधेयक को वापस लेने की

मांग की। पत्र में कहा गया कि संविधान सभा ने बहुत सोच-समझकर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत की अलग- अलग संवैधानिक स्थिति निर्धारित की थी। पत्र में यह भी कहा गया कि भारत का संविधान नागरिकों को अंतरात्मा की स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। ऐसे में किसी गीत को कानून के माध्यम से अनिवार्य सम्मान दिलाने का प्रयास भविष्य में संवैधानिक विवादों को जन्म दे सकता है। विपक्ष का तर्क है कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय अनिवार्यता के बीच सटीकता से संतुलन बनाए रखना लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता है। साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पक्ष धार्मिक और ऐतिहासिक संदर्भ है। वंदे मातरम मूलतः बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा है। गीत के प्रारंभिक दो अंतरे व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं, जबकि बाद के अंशों में मां दुर्गा सहित कुछ धार्मिक प्रतीकों का उल्लेख मिलता है। इतिहास में कई मुस्लिम संगठनों तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों ने इन्हीं धार्मिक संदर्भों के आधार पर इसके पूर्ण गायन पर आपत्ति व्यक्त की थी। संविधान सभा ने भी इन ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए केवल प्रारंभिक अंशों को सार्वजनिक उपयोग के लिए स्वीकार किया था। आलोचकों का कहना है कि यदि इस विधेयक के बाद किसी नागरिक की धार्मिक मान्यता और कानून के बीच टकराव उत्पन्न होता है, तो न्यायपालिका को अत्यंत जटिल संवैधानिक प्रश्नों का सटीकता से सामना करना पड़ सकता है।

साथियों, इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय का 1986 का ऐतिहासिक निर्णय बिजोए इमैनुएल बनाम केरल राज्य बार-बार चर्चा में आ रहा है। इस मामले में यहोवा विटनेस समुदाय के तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था, हालांकि वे सम्मानपूर्वक खड़े रहे। विद्यालय ने उन्हें निष्कासित कर दिया,लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि किसी नागरिक को उसकी अंतरात्मा के विरुद्ध राष्ट्रगान गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यदि वह सम्मानपूर्वक खड़ा है और राष्ट्रगान का अपमान नहीं कर रहा, तो केवल गीत न गाने के आधार पर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय भारतीय संवैधानिक कानून में अंतरात्मा की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। यही कारण है कि कई संवैधानिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नया संशोधन कानून बनता है तो उसकी न्यायिक समीक्षा लगभग निश्चित है। मार्च 2026 में भी इस विषय पर न्यायिक चर्चा हुई थी। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि यदि किसी सरकारी कार्यक्रम में वंदे मातरम बजाया जाता है तो केवल उसके बजने मात्र से प्रत्येक नागरिक पर उसे गाना अनिवार्य नहीं हो जाता। सम्मान प्रदर्शित करना और अनिवार्य रूप से गाना दो अलग-अलग बातें हैं। यह दृष्टिकोण भी इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है क्योंकि नया संशोधन और न्यायालय की पूर्व व्याख्याएं भविष्य में एक-दूसरे के साथ किस प्रकार संतुलित होंगी, यह अभी सटीकता से स्पष्ट नहीं है। साथियों,संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है, जबकि अनुच्छेद 25 अंतरात्मा तथा धर्म की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। दूसरी ओर अनुच्छेद 51ए (क) प्रत्येक नागरिक का मूल कर्तव्य बताता है कि वह संविधान,राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे। उल्लेखनीय है कि इस अनुच्छेद में वंदे मातरम का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। यही कारण है कि कई विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि संसद राष्ट्रगीत को वैधानिक संरक्षण देना चाहती है तो उसे यह भी स्पष्ट करना होगा कि यह संरक्षण मौलिक अधिकारों के साथ किस प्रकार संतुलित रहेगा।समर्थकों का तर्क है कि विश्व के अनेक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान पर कठोर दंड का प्रावधान है। उनका कहना है कि यदि राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान की कानूनी सुरक्षा उचित मानी जाती है तो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे प्रेरणादायक गीत को भी समान सुरक्षा मिलनी चाहिए। उनके अनुसार राष्ट्रीय एकता केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि नागरिक कर्तव्यों से भी मजबूत होती है। दूसरी ओर आलोचक कहते हैं कि भारत का लोकतांत्रिक मॉडल विविधता, सहमति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आधारित है, इसलिए राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा करते समय संवैधानिक स्वतंत्रताओं का भी समान महत्व होना चाहिए।

साथियों, इस पूरे घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न सामने रखा है क्या देशभक्ति कानून से उत्पन्न होती है या सामाजिक चेतना से? भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास बताता है कि वंदे मातरम और जन गण मन दोनों ने अलग-अलग समय में राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया। किंतु संविधान निर्माताओं ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को भी समान महत्व दिया। इसलिए भविष्य की किसी भी कानूनी व्यवस्था को इन दोनों मूल्यों के बीच सटिकता से संतुलन स्थापित करना होगा। साथियों, अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भी यह बहस महत्वपूर्ण है। विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों में राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन लगातार न्यायालयों के सामने चुनौती बना रहता है। भारत का यह प्रस्तावित संशोधन भी संभवतः इसी व्यापक वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनेगा कि राष्ट्रीय पहचान की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच सर्वोत्तम संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 केवल एक दंडात्मक कानून का प्रस्ताव नहीं है,बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र के तीन महत्वपूर्ण स्तंभों राष्ट्रीय सम्मान,संवैधानिक स्वतंत्रता और नागरिक कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित करने की परीक्षा भी है। यदि विधेयक कानून बनता है तो उसके प्रावधानों की न्यायिक समीक्षा लगभग निश्चित मानी जा रही है। वहीं यदि संसद में व्यापक सहमति बनती है तो यह राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है। परंतु यदि सहमति नहीं बनती, तो यह बहस आने वाले वर्षों तक संविधान,न्यायपालिका संसद और समाज के बीच चलने वाले सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक विमर्शों में से एक बनी रह सकती है। भारत जैसे बहुलतावादी लोकतंत्र में यही चुनौती है कि राष्ट्रीय गौरव की रक्षा भी हो, संविधान की आत्मा भी सुरक्षित रहे और नागरिक की अंतरात्मा की स्वतंत्रता भी अक्षुण्ण बनी रहे।

# चातुर्मास द्वार है आत्मोन्नति और जीवन-परिवर्तन का

**भारत की आध्यात्मिक परम्पराओं ने मानव जीवन को केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं माना, बल्कि उसे आत्मबोध, चरित्र-निर्माण और चेतना के उत्कर्ष की यात्रा के रूप में देखा है। इसी दृष्टि का एक अद्वितीय और कालजयी उपहार है चातुर्मास। यह केवल चार महीनों का धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मा के परिष्कार, मन के अनुशासन, विचारों की निर्मलता और जीवन के पुनर्निर्माण का एक स्वर्णिम कालखण्ड है। 25 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाला चातुर्मास केवल जैन धर्म के अनुयायियों के लिये ही नहीं बल्कि हिन्दू धर्म के प्रत्येक व्यक्ति को यह दुर्लभ अवसर देता है कि वह बाहरी उपलब्धियों की दौड़ से कुछ क्षण विराम लेकर अपने भीतर के सत्य से साक्षात्कार करे।**

**स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी**

जब वर्षा की फुहारें धरती को हरित और उर्वर बनाती हैं, तब चातुर्मास मनुष्य के अंतर्मन को भी करुणा, शांति, विवेक और आत्मप्रकाश से सिंचित करने का निमंत्रण देता है। यदि वर्षा प्रकृति का नवजीवन है तो चातुर्मास चेतना का नवजागरण है। यह वह ऋतु है जिसमें केवल शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा का शोधन और संस्कार होता है। चातुर्मास को यदि आध्यात्मिक प्रशिक्षण शिविर कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार किसी सैनिक को युद्धभूमि के लिए तैयार किया जाता है, उसी प्रकार चातुर्मास मनुष्य को जीवन के संघर्षों में संतुलित, संयमी और जागरूक बनने का अभ्यास कराता है। यह आत्मबल अर्जित करने का समय है, जहाँ मनुष्य स्वयं को भीतर से इतना सशक्त बनाता है कि परिस्थितियाँ उसे विचलित न कर सकें। यही कारण है कि भारतीय ऋषियों और जैन आचार्यों ने इस अवधि को आत्मविकास की सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला माना। जैन परम्परा में चातुर्मास का विशेष महत्व है। वर्षा ऋतु में साधु-साध्वियाँ एक स्थान पर निवास कर ध्यान, स्वाध्याय, तप और धर्मोपदेश के माध्यम से समाज को नैतिक और आध्यात्मिक दिशा प्रदान करते हैं। उनका स्थिर निवास केवल परम्परा नहीं, बल्कि अहिंसा का महान प्रयोग है। वर्षा में असंख्य सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते हैं; इसलिए अनावश्यक भ्रमण से बचकर वे जीवन के प्रत्येक रूप के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देते हैं। यह पर्यावरण-संरक्षण और जैव विविधता के सम्मान का ऐसा उदाहरण है, जिसकी प्रासंगिकता आज के वैश्विक पर्यावरण संकट में और भी बढ़ जाती है। चातुर्मास का वास्तविक उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पालन नहीं, बल्कि स्वयं को बदलना है, स्वयं की आत्मा का उन्नयन करना है। संसार को बदलने की आकांक्षा रखने वाला व्यक्ति यदि स्वयं नहीं बदलता, तो उसका प्रयास अधूरा रह जाता है। इसलिए चातुर्मास पहले स्वयं को साधने का आह्वान करता है। यह आत्मा की ओर लौटने की यात्रा है, जहाँ व्यक्ति अपने दोषों को पहचानता है, दुर्बलताओं का सामना करता है और अपने भीतर छिपी दिव्यता को जागृत करता है। इन चार महीनों में ध्यान, साधना, मौन, स्वाध्याय, जप, तप, योग, प्राणायाम, सामायिक, प्रतिक्रमण, व्रत, उपवास और संयम जैसे अनेक आध्यात्मिक उपक्रम किए जाते हैं। इनका उद्देश्य केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म को संतुलित करना है। आधुनिक मनोविज्ञान भी स्वीकार करता है कि ध्यान और मौन मनुष्य के तनाव को कम करते हैं, मानसिक स्पष्टता बढ़ाते हैं और निर्णय क्षमता को परिष्कृत करते हैं। भारतीय आध्यात्मिक परम्पराएँ हजारों वर्षों से इन्हीं प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को भीतर से स्वस्थ और समर्थ बनाती रही हैं।

चातुर्मास का सबसे बड़ा संदेश है- आत्मबोध। जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है, तब उसके जीवन की दिशा बदल जाती है। आत्मबोध से सम्यक दर्शन उत्पन्न होता है, सम्यक दर्शन से सम्यक ज्ञान और सम्यक ज्ञान से सम्यक चरित्र का निर्माण होता है। यही जैन दर्शन की आधारशिला है। यह दर्शन केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। इन चार महीनों में व्यक्ति यदि सत्यनिष्ठा, निष्काम कर्म, अनाग्रह, अपरिग्रह, अभय, समता, सहिष्णुता और अहिंसा को अपने जीवन का हिस्सा बना ले, तो उसका संपूर्ण व्यक्तित्व बदल सकता है। सत्यनिष्ठा विश्वास का निर्माण करती है, निष्काम कर्म अहंकार को समाप्त करता है, अपरिग्रह जीवन को हल्का बनाता है, अनाग्रह संबंधों में मधुरता लाता है और अहिंसा मनुष्य को समस्त प्राणियों के प्रति संवेदनशील बनाती है। चातुर्मास आत्मसंयम का भी अनुपम अवसर है। आज का युग उपभोग, प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन का युग बनता जा रहा है। इच्छाएँ अनंत हैं और संतोष दुर्लभ होता जा रहा है। ऐसे समय में चातुर्मास हमें सिखाता है कि सुख वस्तुओं की अधिकता में नहीं, बल्कि इच्छाओं की मर्यादा में है। जिसने स्वयं पर विजय प्राप्त कर ली, वही वास्तविक विजेता है। बाहरी संसार को जीतने से कहीं अधिक कठिन है अपने मन को जीतना, और चातुर्मास इसी आंतरिक विजय का महापर्व है। यह अवधि व्यक्ति में प्रतिबद्धता, विनम्रता, सरलता, श्रद्धा, सकारात्मक दृष्टिकोण, दृढ़ संकल्प, धैर्य, संतुलन और सहजानंद का विकास करती है। जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी जो व्यक्ति संतुलित रहता है, वही सच्चा साधक है। चातुर्मास हमें कर्म और अकर्म के बीच संतुलन स्थापित करना सिखाता है। यह बताता है कि सक्रिय रहना आवश्यक है, परंतु आसक्ति से मुक्त रहना उससे भी अधिक आवश्यक है। आध्यात्मिक उन्नति का अर्थ संसार से पलायन नहीं, बल्कि संसार के बीच रहते हुए अपने भीतर की पवित्रता को सुरक्षित रखना है। गृहस्थ भी चातुर्मास को उतनी ही सार्थकता से जी सकता है जितना कोई साधु। यदि वह प्रतिदिन कुछ समय ध्यान करे, मौन का अभ्यास करे, क्रोध और कटुता पर नियंत्रण रखे, क्षमा और कृतज्ञता का अभ्यास करे, भोजन एवं उपभोग में संयम अपनाए तथा सेवा और दया को जीवन का हिस्सा बनाए, तो उसका प्रत्येक दिन साधना बन सकता है। चातुर्मास का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पक्ष है आत्मिक शक्तियों का विकास। भारतीय दर्शन मानता है कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर असीम संभावनाएँ विद्यमान हैं। ध्यान, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से चेतना का ऐसा विस्तार संभव है, जहाँ व्यक्ति असाधारण धैर्य, विवेक, अंतर्दृष्टि, करुणा और अतीन्द्रिय संवेदनशीलता का अनुभव करता है। यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि आत्मशक्ति के जागरण का परिणाम है।

आज जब मानवता तनाव, हिंसा, असहिष्णुता, पर्यावरण संकट, नैतिक पतन और मानसिक अशांति जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब चातुर्मास का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि विश्व-शांति की शुरुआत व्यक्ति के मन की शांति से होती है। यदि मनुष्य स्वयं शांत होगा तो परिवार शांत होगा, परिवार शांत होगा तो समाज शांत होगा और समाज शांत होगा तो विश्व में स्थायी शांति स्थापित होगी। चातुर्मास किसी एक सम्प्रदाय की सीमाओं में बंधा हुआ पर्व नहीं है। इसका मूल संदेश सार्वभौमिक है। यह प्रत्येक व्यक्ति को आमंत्रित करता है कि वह अपने भीतर की श्रेष्ठता को जागृत करे। चाहे वह किसी भी धर्म, संस्कृति या विचारधारा से जुड़ा हो, यदि वह सत्य, अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम, नैतिकता और जागरूकता को अपनाता है तो वह चातुर्मास की आत्मा को जी रहा है। 25 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाला यह पावन काल केवल तिथियों का क्रम नहीं, बल्कि आत्मा के पुनर्जागरण का दुर्लभ अवसर है। यह चार महीनों का ऐसा आध्यात्मिक विश्वविद्यालय है, जहाँ प्रत्येक दिन आत्मविकास का नया पाठ पढ़ाया जाता है और प्रत्येक साधना मनुष्य को उसके उच्चतर स्वरूप के निकट ले जाती है। आइए, इस चातुर्मास को केवल धार्मिक पर्व के रूप में नहीं, बल्कि आत्मजागृति, आत्मसंयम, आत्मानुशासन और आत्मोन्नति के महाअभियान के रूप में स्वीकार करें। यही वह काल है जो मनुष्य को साधारण से असाधारण, अशांत से शांत, सीमित से असीम और अहंकार से आत्मबोध की ओर ले जाता है। यही चातुर्मास की शाश्वत चेतना है, यही उसकी कालातीत विरासत है और यही मानव जीवन को प्रकाशमय बनाने का उसका अमूल्य संदेश।

# लंबित मांगों को लेकर स्वास्थ्य कर्मचारियों का प्रदर्शन, नियमित भर्ती, केंद्रीय वेतनमान और आउटसोर्सिंग समाप्त करने की उठाई मांग

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर मंगलवार को जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया कर्मचारियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर समय रहते सकारात्मक पहल नहीं की गई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगें शासन के समक्ष लंबित हैं, लेकिन अब तक उन पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है इससे कर्मचारियों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है संघ

का कहना है कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान किया जाता है तो इसका सीधा लाभ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और आम जनता को मिलेगा।

**केंद्रीय वेतनमान लागू करने की मांग:** ज्ञापन में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सबसे प्रमुख मांग के रूप में केंद्रीय वेतनमान से संबंधित पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव को शीघ्र लागू करने की मांग उठाई कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से इस मांग को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया उनका मानना है कि केंद्रीय वेतनमान लागू होने से कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनका मनोबल भी बढ़ेगा।

**निजीकरण और आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त करने की मांग:** संघ ने स्वास्थ्य विभाग में निजीकरण, ठेका प्रथा और आउटसोर्सिंग व्यवस्था को समाप्त करने की भी मांग की कर्मचारियों का कहना है कि आउटसोर्सिंग व्यवस्था के कारण कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं इसके साथ ही नौकरी की सुरक्षा और सेवा शर्तों को लेकर भी लगातार असमंजस की स्थिति बनी रहती है संघ का आरोप है कि निजीकरण और ठेका प्रणाली के विस्तार से सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है उनका कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं जैसे संवेदनशील क्षेत्र में स्थायी और प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति आवश्यक है ताकि मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें।

**रिक्त पदों पर नियमित भर्ती की मांग:** स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने प्रदेश के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों पर नियमित भर्ती की मांग भी उठाई कर्मचारियों के अनुसार अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने के कारण कार्यरत कर्मचारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़ रहा है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। संघ का कहना है कि नियमित भर्ती से न केवल बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि अस्पतालों में कार्य व्यवस्था भी बेहतर होगी और मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

**संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण पर जोर:** ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ ने कहा कि वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारी पूरी निष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक नियमित नहीं किया गया है कर्मचारियों का कहना है कि समान कार्य करने के बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधाएं और सुरक्षा नहीं मिलती।

**जीवनदीप कर्मचारियों के मानदेय में बढ़ोतरी की मांग:** संघ ने जीवनदीप समिति के अंतर्गत कार्यरत कर्मचारियों के लिए कलेक्टर दर के अनुसार मानदेय निर्धारित करने की मांग की। इसके अलावा लंबे समय से कार्य कर रहे कर्मचारियों के लिए नया सेटअप तैयार करने और उनकी सेवा शर्तों को स्पष्ट करने की भी मांग रखी गई स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि कई कर्मचारी वर्षों से कम मानदेय पर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उचित वेतन और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है ज्ञापन में प्रदेश स्तर पर स्वास्थ्य आयोग के गठन की मांग भी शामिल रही संघ का मानना है कि स्वास्थ्य आयोग बनने से कर्मचारियों और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न मामलों का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा साथ ही कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए एक संस्थागत व्यवस्था विकसित होगी संघ ने हेल्थ सेक्टर में कार्यरत सभी कर्मचारियों का छत्तीसगढ़ में पंजीयन सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। कर्मचारियों का कहना है कि इससे सेवा संबंधी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आएगी और भविष्य में प्रशासनिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान आसान होगा।

## स्मैक की लत में दिनदहाड़े चोरी की कोशिश, ग्राहक की सतर्कता से रंगे हाथों पकड़ा गया युवक

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार को नशे की लत के चलते दिनदहाड़े चोरी की कोशिश का मामला सामने आया जल मंदिर के पास स्थित एक किराना दुकान में एक युवक ने दुकान संचालिका की व्यस्तता का फायदा उठाकर गल्ले से नकदी निकालने का प्रयास किया लेकिन दुकान पर मौजूद एक ग्राहक की सतर्कता से उसकी योजना नाकाम हो गई स्थानीय लोगों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़कर डायल-112 पुलिस के हवाले कर दिया जानकारी के अनुसार जल मंदिर के पास रहने वाली दुकान संचालिका विनीता गोयल सुबह अपनी दुकान में साफ-सफाई कर रही थीं इसी दौरान एक युवक चुपचाप दुकान के अंदर घुसा और सीधे गल्ले में हाथ डालकर नकदी निकालने लगा। उसी समय सामान खरीदने आए एक ग्राहक की नजर उस पर पड़ गई ग्राहक ने तुरंत शोर मचाया, जिससे आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और युवक को पकड़ लिया सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली थाने ले गई पूछताछ में उसकी पहचान घोसीपुरा निवासी इमरान खान के रूप में हुई स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी स्मैक का आदी है और नशे की लत के कारण उसने चोरी का प्रयास किया। कोतवाली पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की चोरी या अन्य आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है गौरतलब है कि शिवपुरी जिले में 15 से 30 जुलाई तक 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाया जा रहा है ऐसे समय में नशे की लत से जुड़ी यह घटना सामने आने से समाज में बढ़ते नशे के दुष्प्रभाव और अपराध के बीच संबंध को लेकर चिंता बढ़ गई है हालांकि इस मामले में किसी सीसीटीवी फुटेज की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि आरोपी को मौके पर मौजूद ग्राहक और स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया।

# प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से बदली नानसाय की जिंदगी, कच्चे घर से मिला पक्के आशियाने का सुख

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने जिले के विकासखंड खड़गवां की ग्राम पंचायत नेवरी निवासी नानसाय के वर्षों पुराने पक्के घर के सपने को साकार कर दिया है कभी कच्चे और जर्जर मकान में रहने को मजबूर नानसाय का परिवार अब सुरक्षित, स्वच्छ और मजबूत पक्के घर में सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है। इस योजना ने उनके जीवन में केवल आवास ही नहीं बल्कि सुरक्षा, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी दी है नानसाय बताते हैं कि पहले उनका परिवार मिट्टी और खपरैल से बने कच्चे मकान में रहता था बरसात के मौसम में छत से पानी टपकता था और दीवारों में दरारें पड़ जाती थीं तेज बारिश और आंधी के

दौरान घर के गिरने का डर हमेशा बना रहता था छोटे बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवार लगातार चिंतित रहता था सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपने दम पर पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। इसी बीच प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत नानसाय का चयन हुआ। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें शासन से आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने अपना पक्का मकान तैयार कराया आज उनका परिवार सुरक्षित और सुविधाजनक घर में रह रहा है,जहां बारिश या मौसम की मार का भय नहीं है। नए घर के निर्माण के बाद परिवार की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिला है, परिवार के सदस्यों का आत्मविश्वास बढ़ा है और सामाजिक सम्मान में भी वृद्धि हुई है अब उनका घर केवल रहने का स्थान नहीं बल्कि उनके बेहतर भविष्य और खुशहाल जीवन की नई पहचान बन गया है नानसाय का कहना है कि यदि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का लाभ नहीं मिलता तो वे आज भी कच्चे मकान में रहने को मजबूर होते इस योजना ने उन्हें सुरक्षित आशियाना देने के साथ-साथ सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीने का अवसर भी प्रदान किया है उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह जनकल्याणकारी योजना गरीब और वंचित परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे ऐसे हजारों परिवारों को सुरक्षित आवास मिलने के साथ सम्मानजनक जीवन की नई शुरुआत करने का अवसर मिल रहा है प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

# आधुनिक खेती की ओर बढ़े किसान राय सिंह, पहली बार अपनाया नैनो डीएपी; बेहतर उत्पादन की जताई उम्मीद

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किसानों के लिए लाभदायक साबित हो रहा है। वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नैनो उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है जिसका सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। इसी क्रम में एमसीबी जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम केल्हारी निवासी किसान राय सिंह ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी फसल के लिए नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है उन्हें उम्मीद है कि इस आधुनिक उर्वरक के प्रयोग से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त होगा राय सिंह ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति से नैनो डीएपी प्राप्त किया। उनका कहना है कि बदलते समय के साथ किसानों को नई तकनीकों को अपनाना चाहिए ताकि खेती अधिक लाभकारी बन सके उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष उनके गांव और आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी का उपयोग किया था जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे उन किसानों की फसलों की बढ़वार अच्छी रही और

उत्पादन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। इन्हीं सकारात्मक अनुभवों से प्रेरित होकर उन्होंने भी इस वर्ष अपनी खेती में पहली बार नैनो डीएपी का प्रयोग करने का फैसला किया राय सिंह ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नैनो डीएपी के उपयोग से उनकी फसल की वृद्धि बेहतर होगी और उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी उनका मानना है कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं उन्होंने नैनो डीएपी की एक और महत्वपूर्ण विशेषता बताते हुए कहा कि इसका परिवहन बेहद आसान है पहले किसानों को पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियां ढोनी पड़ती थीं जिससे समय और श्रम दोनों अधिक लगते थे इसके विपरीत नैनो डीएपी की छोटी बोतल आसानी से बैग में रखकर घर लाई जा सकती है इससे परिवहन की परेशानी कम होती है और किसानों का समय तथा मेहनत दोनों बचते हैं राय सिंह ने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की उन्होंने कहा कि यदि किसान नई तकनीकों को सही जानकारी और उचित तरीके से अपनाएं तो खेती की लागत कम होने के साथ उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि संभव है। कृषि विभाग भी किसानों को नैनो डीएपी सहित अन्य आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग के लिए लगातार जागरूक कर रहा है विभाग द्वारा प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है ताकि अधिक से अधिक किसान वैज्ञानिक खेती को अपनाकर अपनी उत्पादकता बढ़ा सकें। किसानों के बढ़ते विश्वास के साथ नैनो डीएपी आधुनिक कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभर रहा है जो खेती को अधिक टिकाऊ, सुविधाजनक और लाभकारी बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

# कबड्डी खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका, खेलो इंडिया लघु केंद्र बंजी में 30 जुलाई को चयन ट्रायल

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** जिले के उभरते कबड्डी खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सुनहरा अवसर उपलब्ध होने जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) द्वारा संचालित खेलो इंडिया लघु केंद्र बंजी में सत्र 2026-27 के लिए कबड्डी चयन ट्रायल का आयोजन 30 जुलाई 2026 को किया जाएगा यह चयन प्रक्रिया सुबह 8 बजे से खेलो इंडिया लघु केंद्र, बंजी में प्रारंभ होगी जिसमें जिले के 12 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे जिला खेल अधिकारी ने बताया कि खेलो इंडिया लघु केंद्र केंद्र और राज्य शासन के संयुक्त प्रयासों से संचालित किया जा रहा है। इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचानकर उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है ताकि वे भविष्य में राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें चयन ट्रायल पूरी तरह निर्धारित मानकों और खेल विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया जाएगा चयनित खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे उनकी तकनीकी दक्षता, शारीरिक क्षमता और खेल प्रदर्शन में निरंतर सुधार हो सके खेल विभाग का मानना है कि सही मार्गदर्शन और आधुनिक प्रशिक्षण के माध्यम से जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं जिला खेल अधिकारी ने जानकारी दी कि चयनित खिलाड़ियों के लिए चिकित्सा प्रमाण पत्र और शारीरिक दक्षता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा इसके अलावा चयन के बाद खिलाड़ियों को केंद्र एवं राज्य शासन की ओर से कई महत्वपूर्ण सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी इनमें खेल किट, खेल परिधान, निःशुल्क आवास और दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं शामिल हैं इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना और उन्हें आर्थिक बोझ से मुक्त रखते हुए खेल पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है खेल विभाग ने जिले के सभी पात्र बालक एवं बालिका खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, खेल प्रशिक्षकों तथा विद्यालयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस चयन ट्रायल में भाग लें विभाग का कहना है कि यह चयन प्रक्रिया केवल प्रशिक्षण का अवसर नहीं, बल्कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए अपने खेल करियर को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण मंच है।

# परिजनों की डांट से नाराज होकर घर छोड़ गईं चार किशोरियां, बीना स्टेशन से सकुशल बरामद

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** जिले के इंदार थाना क्षेत्र से लापता हुई चार किशोरियां पुलिस की तत्परता से सकुशल बरामद कर ली गईं। तीन सगी बहनों और उनकी एक सहेली ने परिजनों की डांट से नाराज होकर घर छोड़ दिया सीमित पैसों के सहारे वे बस और ट्रेन से बीना जंक्शन पहुंच गईं, जहां संदिग्ध अवस्था में घूमते देख स्थानीय पुलिस ने उन्हें सुरक्षित संरक्षण में लिया। सूचना मिलने पर इंदार पुलिस परिजनों के साथ बीना पहुंची और सभी किशोरियों को सकुशल वापस लेकर आई पुलिस के अनुसार, मंगलवार को चारों किशोरियां अचानक घर से निकल गई थीं उनके लापता होने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने इंदार थाने में सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी इसी दौरान बीना जंक्शन पर मौजूद पुलिस की नजर चारों किशोरियों पर पूछताछ में उन्होंने अपना पता शिवपुरी जिले के इंदार थाना क्षेत्र का बताया, जिसके बाद बीना पुलिस ने तत्काल इंदार पुलिस से संपर्क किया प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि चारों किशोरियां घर में डांट पड़ने से नाराज थीं इसी वजह से उन्होंने घर छोड़ने का फैसला किया उनके पास कुल 550 रुपये थे इसी राशि के सहारे वे पहले बस से खतौरा होते हुए गुना पहुंचीं और वहां से ट्रेन पकड़कर बीना जंक्शन चली गईं। बीना स्टेशन पर बिना किसी अभिभावक के घूम रही किशोरियों को देखकर पुलिस को संदेह हुआ पूछताछ के बाद उनकी पहचान होने पर उन्हें सुरक्षित रखा गया और संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी गई इंदार पुलिस टीम परिजनों के साथ बीना पहुंची और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद चारों किशोरियों को अपने साथ वापस ले आई पुलिस ने बताया कि तीनों बहनें नाबालिग हैं, जिनमें सबसे बड़ी की उम्र करीब 16 वर्ष है जांच के दौरान किसी प्रकार के अपहरण, मानव तस्करी या अन्य आपराधिक घटना के संकेत नहीं मिले हैं मामले में सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद चारों किशोरियों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया

# भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का कांग्रेस पर हमला, बोले- छात्रों के आंदोलन को दिया राजनीतिक रंग, देश में अराजकता फैलाने की कोशिश

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर ( निप्र )।** छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने गुरुवार को रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के आंदोलन को कांग्रेस ने राजनीतिक रंग देकर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश की है उन्होंने कहा कि कांग्रेस सुनियोजित तरीके से ऐसा माहौल बनाने का प्रयास कर रही है, जैसा हाल के समय में नेपाल और बांग्लादेश में देखने को मिला, लेकिन भारत में ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे किरण सिंह देव ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और ऋषि-मुनियों की परंपरा वाला देश है। यहां जनता लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर करने वाली राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है जबकि कांग्रेस छात्र आंदोलन को अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए इस्तेमाल कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संसद के भीतर विस्तृत चर्चा के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस चर्चा से बच रही है उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने छात्र आंदोलन में घुसपैठ कर उसके मूल स्वरूप को बदल दिया और लोकतांत्रिक विरोध को राजनीतिक मंच में बदलने का प्रयास किया उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इस विषय पर संसद में खुली चर्चा कराने का निर्णय लिया है ताकि सभी पक्ष अपनी बात रख सकें और सरकार भी अपनी कार्ययोजना स्पष्ट कर सके। इसके बावजूद कांग्रेस बार-बार संसद की कार्यवाही बाधित कर रही है।

**प्रधानमंत्री के खिलाफ भाषा पर जताई आपत्ति:** किरण सिंह देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल भारतीय जनता पार्टी के नेता नहीं, बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग भारतीय संस्कृति और लोकतांत्रिक परंपराओं के विरुद्ध है उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस लंबे समय से प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करती रही है जो लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है।

**प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन गैर-जिम्मेदाराना:** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास जैसे अति-सुरक्षित क्षेत्र के बाहर बिना अनुमति धरना देना पूरी तरह गैर-जिम्मेदाराना कदम है उनके अनुसार संसद लोकतांत्रिक चर्चा का सर्वोच्च मंच है और यदि किसी मुद्दे पर असहमति है तो उस पर संसद के भीतर चर्चा होनी चाहिए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने संवेदनशील क्षेत्र में प्रदर्शन कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया।

**राहुल गांधी पर भी साधा निशाना:** प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किरण सिंह देव ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान की छोटी-सी प्रति हाथ में लेकर यह संदेश देने का प्रयास करते हैं कि संविधान खतरे में जबकि वास्तविकता इसके विपरीत है।

## प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को मिली राहत, केल्हारी के मृतक के आश्रित को 4 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी ( निप्र )।** प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है इसी क्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने तहसील केल्हारी के ग्राम मुटुकपुर निवासी राजकुमार की पानी में डूबने से हुई मृत्यु के बाद उनके आश्रित परिवार को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है यह सहायता राशि राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6-4 के संशोधित प्रावधानों के तहत प्रदान की गई है जारी आदेश के अनुसार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6 (क) (1) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा में हुई मृत्यु के मामलों में मृतक के वैधानिक वारिस को आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है इसी के तहत मृतक राजकुमार के वैधानिक वारिस मान सिंह के पक्ष में 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसी परिवार के सदस्य की असामयिक मृत्यु न केवल भावनात्मक आघात देती है, बल्कि परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा कर देती है ऐसे समय में शासन की यह सहायता योजना पीड़ित परिवारों के लिए राहत का महत्वपूर्ण माध्यम बनती है आर्थिक सहायता से परिवार अपनी तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकता है और कठिन परिस्थितियों का सामना करने में कुछ हद तक सक्षम हो पाता है राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह सहायता प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने की राज्य सरकार की प्राथमिकता का हिस्सा है शासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी आपदा से प्रभावित परिवार को आर्थिक संकट के कारण अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और उन्हें समय पर आवश्यक सहयोग मिल सके स्वीकृत राशि का व्यय वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान मांग संख्या-58 के अंतर्गत मुख्य शीर्ष 2245 - प्राकृतिक आपदा राहत से किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को सहायता राशि का भुगतान नियमानुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि पीड़ित परिवार को शीघ्र राहत मिल सके छत्तीसगढ़ शासन की यह पहल दर्शाती है कि आपदा की घड़ी में सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि की भरपाई संभव नहीं है लेकिन समय पर दी गई आर्थिक सहायता पीड़ित परिवारों को विपरीत परिस्थितियों से उबरने और जीवन को फिर से व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण सहारा प्रदान करती है।

# 25 हजार का इनामी अफीम तस्कर चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार

**● एक साल से फरार था, तीन राज्यों में फैला है आरोपी का नेटवर्क**

**मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।** मंदसौर जिले के नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के रहने वाले 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर सुखलाल आंजना को राजस्थान की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी करीब एक साल से फरार था और लगातार पुलिस व जांच एजेंसियों से बचता फिर रहा था। राजस्थान पुलिस ने मंगलवार रात चित्तौड़गढ़ में कार्रवाई कर उसे पकड़ा। मामले का खुलासा बुधवार रात किया गया।

राजस्थान ANTF के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में चल रहे 'ऑपरेशन मदार्कभ' के तहत यह कार्रवाई की गई। आरोपी सुखलाल पुत्र पोखरलाल आंजना (32) निवासी मल्याबेर खेड़ा, थाना नाहरगढ़, जिला मंदसौर पर दौसा पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

**शराब के कारोबार में नुकसान के बाद शुरू की तस्करी:** पुलिस के अनुसार, सुखलाल ने आठवीं तक पढ़ाई के बाद खेती शुरू की। खेती से उम्मीद के मुताबिक फायदा नहीं हुआ तो उसने शराब के ठेके का कारोबार किया। इसमें भी नुकसान हुआ और उस पर कर्ज बढ़ गया। इसके बाद उसने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी।

पुलिस के मुताबिक, उसके पिता के नाम पर वैध अफीम खेती का पट्टा था। इससे उसे अफीम उत्पादन और तस्करी के नेटवर्क की जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर वह अपने खेत और आसपास के किसानों से अवैध रूप से अफीम इकट्ठा करता था। बाद में इसे मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात के तस्करों तक पहुंचाता था।

**बसों से भेजता था पार्सल, व्हाट्सएप कॉल से करता था संपर्क**

जांच में सामने आया कि आरोपी बड़े नेटवर्क से सीधे नहीं जुड़ता था। वह केवल मादक पदार्थ की डिलीवरी और भुगतान तक सीमित रहता था, ताकि दूसरे तस्करों की पहचान सामने न आए। पुलिस से बचने के लिए वह हर बार अलग-अलग रास्तों और वाहनों का इस्तेमाल करता था। संपर्क के लिए व्हाट्सएप कॉल का उपयोग करता था। राजस्थान और गुजरात भेजे जाने वाले मादक पदार्थ बसों के जरिए पार्सल के रूप में भेजे जाते थे। डिलीवरी के बाद व्हाट्सएप कॉल पर संपर्क किया जाता था।

**तीन राज्यों में दर्ज हैं मामले**

पुलिस के अनुसार, सुखलाल के खिलाफ राजस्थान, गुजरात और मध्यप्रदेश में एनडीपीएस एक्ट समेत अन्य मामलों में केस दर्ज हैं। वर्ष 2025 में गुजरात एटीएस के गांधीनगर और राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र में उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज हुए थे। वर्ष 2026 में मध्यप्रदेश के नाहरगढ़ थाने में भी मामला दर्ज हुआ। मध्यप्रदेश में उसके खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट का केस भी दर्ज है।

**शादी से लौटते समय हाईवे पर दबोचा**

आईजी विकास कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि सुखलाल काले रंग की थार से भीलवाड़ा में एक शादी समारोह में गया है और लौटते समय चित्तौड़गढ़ होकर अपने गांव जाएगा। इसके बाद ANTF ने चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा हाईवे पर सादे कपड़ों में निगरानी शुरू की। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पीछा किए जाने का शक होने पर कई बार रास्ता बदला। उसने भीलवाड़ा रोड से उदयपुर रोड और फिर कोटा रोड की ओर वाहन मोड़कर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। पहले से तैनात दूसरी टीम ने निंबाहेड़ा रोड स्थित ओछड़ी टोल नाके के पास थार को रोककर उसे गिरफ्तार कर लिया।

## नर्मदापुरम में कलेक्टर बंगले के सामने गिरा बबूल का पेड़

**45 मिनट यातायात रहा बाधित, बिजली सप्लाई ठप**

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम में गुरुवार सुबह 11:30 बजे मालाखेड़ी रोड पर कलेक्टर बंगले के सामने बबूल का एक विशालकाय पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ गिरने से रोड पूरी तरह बंद हो गई। जिससे आम लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हुई। करीब 40,45 मिनट तक यातायात बंद रहा। इस दौरान लोगों को दूसरे रास्ते से जाना पड़ा। पेड़ गिरने से बिजली के तार भी चपेट में आ गए। जिससे मालाखेड़ी रोड की कई कॉलोनियों की बिजली सप्लाई बाधित हो गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका और बिजली कंपनी की टीम मौके पर पहुंची। कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत कर आरी और मशीनों से टहनियों को काटकर पेड़ को रोड से हटाया। करीब 12.15 बजे यातायात सामान्य हो सका। पेड़ हटने के बाद बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने भी तार मरम्मत का कार्य शुरू किया।

## खरगोन में 3 लाख की चोरी:पड़ोसियों के दरवाजे बाहर से बंद

**पत्नी के साथ अस्पताल में था परिवार तभी घुसे चोर**

**मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)।** खरगोन जिले के निमरानी में सूने मकान को निशाना बनाकर बदमाशों ने करीब 3 लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। वारदात बुधवार सुबह 3:15 से 3:45 बजे के बीच हुई। बदमाशों ने चोरी से पहले पड़ोसियों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए, ताकि कोई बाहर न निकल सके।

चोरी की घटना राजकुमार सेन के किराएदार संदीप पिता मुरली जायसवाल के मकान में हुई। संदीप पिछले 15 दिनों से पत्नी के प्रसव के लिए इंदौर के एक अस्पताल में थे। इसी कारण मकान सूना था। बदमाशों ने इसका फायदा उठाया और घर में रखा सामान बिखेर दिया।

संदीप के अनुसार, चोर दो तोला सोने के जेवर, चांदी के आभूषण और 15 हजार रुपये नकद सहित करीब 3 लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए।

**मकान मालिक को दरवाजा बंद मिला तो हुआ खुलासा:** घटना का पता तब चला, जब सुबह मकान मालिक दरवाजा खोलने पहुंचे। उन्होंने देखा कि उनका दरवाजा बाहर से बंद था। पड़ोसी की मदद से दरवाजा खुलवाने के बाद उन्होंने किराएदार के मकान का नकुचा कटा हुआ और गेट का ताला टूटा देखा। इसके बाद उन्होंने संदीप को फोन पर सूचना दी। फिर डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी गई।

**सीसीटीवी में संदिग्ध जाते दिखे:** सूचना मिलते ही खलटाका चौकी प्रभारी मिथुन चौहान टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में खरगोन से फॉरेंसिक और डॉग स्क्वॉड टीम भी जांच के लिए पहुंची। बलकवाड़ा थाना प्रभारी सागर चौहान ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। फुटेज में कुछ संदिग्ध बाइक से आते और मकान का ताला तोड़कर अंदर जाते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

## सीहोर में अगले 3 दिन भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

**24 घंटे में 1.23 इंच पानी गिरा, आकाशीय बिजली और गरज चमक का भी अलर्ट**

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले में मानसून सक्रिय बना हुआ है। 22 जुलाई को जिलेभर में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा 1.23 इंच बारिश सीहोर शहर में हुई। मौसम विभाग ने अगले 48 से 72 घंटों के लिए जिले में मध्यम से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

भू-अभिलेख विभाग के अनुसार, बुधवार को जिले में औसतन 0.65 इंच बारिश दर्ज की गई। सीहोर के अलावा बुधनी में 1 इंच, श्यामपुर में 0.87 इंच, रेहटी में 0.86 इंच, जावर और भैरूंदा में 0.35-0.35 इंच, जबकि आष्टा और इछावर में 0.28-0.28 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

**जिले में अब तक 17.64 इंच बारिश:** 1 जून से अब तक जिले में औसतन 17.64 इंच बारिश हो चुकी है। यह जिले की सामान्य औसत बारिश 45.21 इंच का करीब 39 प्रतिशत है।

अब तक सबसे ज्यादा 20.83 इंच बारिश आष्टा में दर्ज की गई है। इसके बाद रेहटी में 19.54 इंच और भैरूंदा में 18.46 इंच बारिश हुई है।

पिछले वर्ष 23 जुलाई तक जिले में 18.67 इंच औसत बारिश दर्ज हुई थी। इस साल अब तक बारिश की स्थिति लगभग पिछले वर्ष के बराबर बनी हुई है।

**मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट:** मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर नया मानसूनी सिस्टम और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है।

इसके असर से अगले 48 से 72 घंटों के दौरान सीहोर जिले और आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

विभाग ने गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी जारी की है। किसानों और आम लोगों को जलभराव वाले क्षेत्रों और नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है। लगातार बारिश से नदी-नालों में उफान देखा जा रहा है, जबकि इसे फसलों के लिए लाभदायक माना जा रहा है।

## फास्ट फूड की दुकान में दूसरी बार चोरी, ताला तोड़कर गैस सिलेंडर और नकद लेकर भागे चोर, सीसीटीवी सामने आया

**मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)।** सागर के गोपालगंज थाना क्षेत्र में स्थित राधे कृष्णा फास्ट फूड की दुकान में चोरी की वारदात सामने आई है। बदमाश दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और नकद रुपए व गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। इससे पहले भी इसी दुकान में चोरी हो चुकी है। दुकानदार ने गोपालगंज थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। दुकानदार राजू केशरवानी ने बताया कि उनकी राधे कृष्णा फास्ट फूड की दुकान डिग्री कॉलेज के सामने, जगदीश जाट के बाजू में है। 21 जुलाई की रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। इसी दौरान चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे नकद रुपए और गैस सिलेंडर चोरी कर लिए।

**दो दिन पहले भी हुई थी चोरी:** राजू केशरवानी ने बताया कि इस घटना से दो दिन पहले भी चोरों ने उनकी दुकान का ताला तोड़कर चोरी की थी। वारदात का पता चलने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी गई।

## मुंबई रेल मंडल में भारी बारिश से ट्रेनें कैंसिल

**रतलाम से गुजरने वाली जयपुर सुपरफास्ट, राजधानी एक्सप्रेस समेत 4 ट्रेनें रद्द, 2 का रूट बदला**

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम में गुरुवार सुबह से रिमझिम और तेज बारिश का दौर चलता रहा। दोपहर करीब 12 बजे के बाद बारिश थम गई और कुछ देर के लिए धूप भी निकली। वहीं, मुंबई रेल मंडल के भिलाड और बोरीवली सेक्शन में भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया। इसका असर वेस्टर्न रेलवे के रतलाम रेल मंडल से गुजरने वाली कई ट्रेनों पर पड़ा है। कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, कुछ का मार्ग बदला गया है और कई ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं।

जिले में पिछले 24 घंटे में 30.63 मिमी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश पिपलौदा और जावरा क्षेत्र में हुई। 1 जून से अब तक जिले में कुल 267.63 मिमी बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 5.91 इंच कम है। पिछले वर्ष 23 जुलाई तक 417.13 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। बुधवार रात से मौसम बदला हुआ है।

गुरुवार सुबह भी रुक-रुककर बारिश होती रही। बारिश से किसानों ने राहत महसूस की है।

**जिले में कहां कितनी बारिश:** पिछले 24 घंटे में आलोट में 14 मिमी, जावरा में 78 मिमी, ताल में 40 मिमी, पिपलौदा में 72 मिमी, बाजना, रतलाम सिटी और रावटी में 5-5 मिमी तथा सैलाना में 26 मिमी बारिश दर्ज की गई।

**ये ट्रेनें रद्द:** 23 जुलाई को अपने प्रारंभिक स्टेशन से चलने वाली ये ट्रेनें निरस्त की गई हैं।

ट्रेन संख्या 12909 बांद्रा टर्मिनस-हजरत निजामुद्दीन गरीब रथ एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12953 मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन अगस्त क्रांति राजधानी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12955 मुंबई सेंट्रल-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 22975 बांद्रा टर्मिनस-रामनगर एक्सप्रेस

**इन ट्रेनों का मार्ग बदला:** 22 जुलाई 2026 को तिरुवनंतपुरम से चली ट्रेन संख्या 22633 तिरुवनंतपुरम-निजामुद्दीन एक्सप्रेस अब दौंड-जलगांव-पालधी-उधना-सूरत मार्ग से चलेगी।

## आंगनवाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** महिला एवं बाल विकास विभाग की उप संचालक मती विनीता लोढ़ा ने मंगलवार को शमशाबाद एवं बिछिया क्षेत्र के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को प्रदान की जा रही शैक्षणिक गतिविधियों, पोषण आहार वितरण, स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के संधारण तथा केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उप संचालक मती लोढ़ा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं से केंद्रों की नियमित गतिविधियों, बच्चों की उपस्थिति, गर्भवती एवं धात्री माताओं को दी जा रही सेवाओं तथा पोषण पुनर्वास संबंधी कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिले तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निर्धारित गतिविधियों का नियमित संचालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने, बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, वजन एवं ऊंचाई का समय पर मापन करने तथा पोषण ट्रैकर सहित अन्य अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

## सागर में अब तक 12.8 इंच बारिश, खुरई में सबसे ज्यादा पानी गिरा, रुक-रुककर हो रही बारिश

**मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)।** सागर जिले में मानसूनी सिस्टम सक्रिय होने से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। कहीं रिमझिम तो कहीं बौछारें पड़ रही हैं। गुरुवार सुबह से आसमान में बादल छाए हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश भी हुई। बारिश की गतिविधियां कमजोर रहने से दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री और न्यूनतम पारा 24 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। बारिश के इस सीजन में अब तक जिले में 324.8 मिमी यानी 12.8 इंच औसत बारिश हो चुकी है। जबकि पिछले साल 23 जुलाई तक 23.5 इंच बारिश हुई थी। इस प्रकार पिछले साल की तुलना में इस वर्ष अब तक जिले में 45.6 प्रतिशत पानी कम गिरा है। पिछले 24 घंटों में खुरई में सबसे ज्यादा बारिश पिछले 24 घंटों में जिले के अलग-अलग हिस्सों में बारिश दर्ज की

## रायसेन में उफान पर बीना-सेमरी नदी:एप्रोच रोड बहने से 80 गांवों का संपर्क टूटा, ग्रामीणों को करना पड़ रहा लंबा सफर

**मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)।** रायसेन जिले में मानसून ने अब असर दिखाना शुरू कर दिया है। लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश के बाद इस सीजन में पहली बार बीना और सेमरी नदी उफान पर आ गई हैं। तेज बहाव के कारण बेगमगंज-सुल्तानगंज मार्ग पर निर्माणाधीन पुल के पास बनी अस्थायी एप्रोच सड़क बह गई, जिससे करीब 80 गांवों का तहसील मुख्यालय से सीधा सड़क संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों को अब लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाकर आवागमन करना पड़ रहा है। तेज बहाव में बह गई एप्रोच रोड बेगमगंज तहसील के सेमरी नदी स्थित हफसीली घाट पर निर्माणाधीन पुल के पास वाहनों की आवाजाही के लिए अस्थायी एप्रोच सड़क बनाई गई थी। लगातार बारिश के चलते नदी का जलस्तर बढ़ा और तेज बहाव में यह सड़क धंसकर पूरी तरह बह गई। इसके बाद बेगमगंज-सुल्तानगंज मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया।

**80 गांवों का टूटा सीधा संपर्क:** मार्ग बंद होने से सुल्तानगंज क्षेत्र के लगभग 80 गांवों का बेगमगंज से सीधा संपर्क प्रभावित हो गया है। अब ग्रामीणों को बेगमगंज पहुंचने के लिए सिलवानी होकर लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ रहा है। इससे यात्रा का समय बढ़ने के साथ-साथ लोगों का अतिरिक्त खर्च भी बढ़ गया है।

**बैतूल में खेत के कमरे में जुआ फड़ पर छापा**

# 15 लोग गिरफ्तार, पुलिस ने जब्त किए 90 हजार रुपए

**मीडिया ऑडीटर,बैतूल (निप्र)।** बैतूल शहर से सटे ग्राम झाड़ेगांव में खेत के भीतर बने एक कमरे में चल रहे जुआ फड़ पर कोतवाली पुलिस ने छापा मारा। कार्रवाई में 15 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने मौके से 90 हजार 500 रुपये नकद और ताश की एक गड्डी जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि झाड़ेगांव में बंटी करोचे के खेत में बने कमरे में बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है। सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई।

**निजी गाड़ियों से पहुंची पुलिस:** कार्रवाई को गोपनीय रखने के लिए पुलिस टीम सरकारी वाहनों की बजाय निजी वाहनों से मौके पर पहुंची। गांव के पास पहुंचने के बाद पुलिसकर्मियों ने वाहन रास्ते में ही छोड़ दिए। इसके बाद पूरी टीम पैदल खेतों के रास्ते मौके तक पहुंची और चारों तरफ से घेराबंदी कर दी।

अचानक पुलिस को देखकर जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, भागने का मौका मिलने से पहले ही पुलिस ने सभी 15 आरोपियों को पकड़ लिया।

मौके से 90 हजार 500 रुपये नकद और ताश की एक गड्डी जब्त की गई।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन के निर्देश पर जिले में जुआ और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे और एसडीओपी अन्नपूर्णा सिरसाम के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की।

**आरोपियों पर केस दर्ज:** पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि जुआ, सट्टा या अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस या डायल-112 को सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

# वनडे कप में कुलदीप यादव और आशुतोष शर्मा से भिड़ेंगे बेन स्टोक्स

**नई दिल्ली ,एजेंसी।** इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने 12 साल बाद घरेलू वनडे क्रिकेट में शानदार वापसी की है। डरहम (Durham) की ओर से खेलते हुए स्टोक्स ने डर्बीशायर के खिलाफ नाबाद शतक जड़कर अपनी वापसी को यादगार बना दिया। अब वनडे कप 2026 में उनका सामना दो भारतीय खिलाड़ियों कुलदीप यादव और आशुतोष शर्मा से होगा।

## 31 जुलाई को कुलदीप यादव बनाम बेन स्टोक्स

31 जुलाई को क्लिफ्टन पार्क ग्राउंड, यॉर्क में डरहम और यॉर्कशायर की भिड़ंत होगी। इस मुकाबले में भारतीय चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव यॉर्कशायर की ओर से खेलते नजर आएंगे। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में कुलदीप को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर काफी आलोचना भी हुई थी। ऐसे में वनडे कप उनके लिए खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होगा।

## ह्लष्ठढ्ढ में स्टोक्स पर भारी रहे हैं कुलदीप

वनडे क्रिकेट में कुलदीप यादव और बेन स्टोक्स का आमना-सामना अब तक 5 बार हुआ है। इन मुकाबलों में स्टोक्स ने कुलदीप की 59 गेंदों पर 47 रन बनाए हैं और एक बार आउट भी हुए हैं।





### 24 जुलाई से शुरू होगा कुलदीप का यॉर्कशायर सफर

कुलदीप यादव यॉर्कशायर के लिए अपना पहला मैच 24 जुलाई को ग्लैमॉर्गन के खिलाफ खेलेंगे।
**इसके बाद उनका कार्यक्रम इस प्रकार है:**

- 24 जुलाई: ग्लैमॉर्गन
- 26 जुलाई: ससेक्स
- 29 जुलाई: वॉर्सेस्टरशायर
- 31 जुलाई: डरहम (बेन स्टोक्स के खिलाफ)

कुलदीप वनडे कप में 5 मैच और काउंटी चैंपियनशिप में 3 मुकाबले खेलेंगे।

- **5 अगस्त को आशुतोष शर्मा से होगी भिड़ंत–** स्टोक्स का अगला भारतीय चुनौतीकर्ता होंगे आशुतोष शर्मा, जो हैम्पशायर की ओर से खेल रहे हैं। दोनों टीमों के बीच मुकाबला 5 अगस्त को द रोज बाउल, साउथम्पटन में खेला जाएगा। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले आशुतोष अभी तक भारत के लिए डेब्यू नहीं कर पाए हैं, लेकिन इंग्लैंड में उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है।
- **डेब्यू मैच में गेंद से चमके आशुतोष–** वनडे कप में अपने पहले मुकाबले में आशुतोष शर्मा बल्ले से सिर्फ 10 रन ही बना सके, लेकिन गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने सैम व्हाइटमैन, हैरी ड्यूक और कप्तान डॉम बेस को आउट किया, जबकि विल बेनिसन को रन आउट भी किया। उनके इस प्रदर्शन से हैम्पशायर ने 50 रन से जीत दर्ज की। स्टोक्स से भिड़ने से पहले आशुतोष मिडिलसेक्स, वॉर्सेस्टरशायर और एसेक्स के खिलाफ भी मुकाबले खेलेंगे।
- **युजवेंद्र चहल भी वनडे कप में खेल रहे है–** भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल भी इस समय नॉर्थैम्पटनशायर की ओर से वनडे कप खेल रहे हैं। उन्होंने पहले मुकाबले में वारविकशायर के खिलाफ 2 विकेट लिए। हालांकि, उनकी टीम अलग ग्रुप में है, इसलिए स्टोक्स से उनका सामना तभी हो सकेगा जब दोनों टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचें।

### पंकज आडवाणी:

## महज 10 साल की उम्र में स्नूकर में पहली बार आजमाया हाथ, ऐतिहासिक करियर में जीते 28 विश्व खिताब

**नई दिल्ली ,एजेंसी।** भारत में जब बिलियर्ड्स और स्नूकर गेम का जिक्र होता है, तो सबसे पहले एक ही खिलाड़ी का नाम दिमाग में आता है और वो है पंकज आडवाणी। महज 10 साल की उम्र में पहली बार स्नूकर टेबल पर हाथ आजमाने वाले पंकज का करियर ऐतिहासिक रहा। उन्होंने विश्व स्तर पर 28 खिताब अपने नाम किए। पंकज आडवाणी का जन्म 24 जुलाई, 1985 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। उस दौर में भारत में बिलियर्ड्स या स्नूकर के खेल को कोई खास पहचानता नहीं था। हालांकि पंकज की इस खेल के प्रति बचपन से ही दिलचस्पी रही। वह अपने बड़े भाई को स्नूकर खेलते हुए देखते थे और देखते ही देखते इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ने लगा। 10 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार स्नूकर टेबल पर हाथ रखा और इसके बाद फिर इस खेल में रमते चले गए। पंकज को द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता अरविंद सावूर के रूप में पहला ही कोच शानदार रहा, जिनकी देखरेख में उन्होंने इस खेल की बारीकियों को सीखा। पंकज ने सिर्फ 17 साल की उम्र में अपना पहला खिताब जीता। उन्होंने 2003 में आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप को अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पंकज ने अपने करियर में बिलियर्ड्स और स्नूकर दोनों खेलों को मिलाकर कुल 28 विश्व खिताब अपने नाम किए। साल 2005 में पंकज एक ही साल में प्वाइंट और टाइम दोनों ही प्रारूपों की आईबीएसएफ वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप जीतकर ग्रैंड डबल पूरा करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। साल 2014 में आयोजित हुई आईबीएसएफ वर्ल्ड-6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीतकर पंकज बिलियर्ड्स और स्नूकर में छोटे और बड़े दोनों ही स्पर्धाओं में जीत हासिल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। पंकज का प्रदर्शन एशियाई खेलों में दमदार रहा। उन्होंने देश को साल 2006 और 2010 में हुए एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल दिलवाया। साल 2004 में पंकज को सरकार ने अर्जुन पुरस्कार, 2006 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, 2009 में पद्म और 2018 में पद्म भूषण से सम्मानित किया। भारत में बिलियर्ड्स और स्नूकर के खेल को पहचान दिलाने में पंकज आडवाणी की सफलताओं का अहम रोल रहा।

### : रिपोर्ट

## सर्जरी से गुजरेंगे स्पेन को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तान रोड्री

**नई दिल्ली ,एजेंसी।** स्पेन को अपनी कप्तानी में फीफा वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जिताने वाले रोड्री को एक बार फिर चोट की वजह से लंबे समय तक फुटबॉल से दूर रहना पड़ सकता है। रोड्री पीठ की इंजरी से जूझ रहे हैं और खबरों के मुताबिक अब वह सर्जरी से गुजरेंगे। रोड्री की इंजरी ने स्पेन और मैनचेस्टर सिटी क्लब की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रोड्री का प्रदर्शन विश्व कप में शानदार रहा था और उन्होंने स्पेन को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। रोड्री ने टीम के मिडफील्ड को मजबूती प्रदान की थी, जिसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का बेस्ट खिलाड़ी भी चुना गया था। रोड्री 'गोल्डन बॉल' पुरस्कार जीतने में सफल रहे थे। हालांकि, पिछले कुछ समय से रोड्री लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। सितंबर 2024 में उन्हें लिगामेंट में गंभीर चोट लगी थी, जिसके कारण वह लगभग पूरा 2024-25 सीजन नहीं खेल सके थे। इसके बाद हैमस्ट्रिंग और ग्रोइन की समस्याओं ने भी उनकी वापसी को मुश्किल बना दिया था। पिछले सीजन में वह सभी प्रतियोगिताओं में सिर्फ 33 मैच ही खेल पाए और प्रीमियर लीग में केवल 17 मैचों में शुरुआती एकादश का हिस्सा रहे। मैदान पर लौटने के बाद भी रोड्री पहले जैसी लय में नहीं दिखे। मैनचेस्टर सिटी के तत्कालीन कोच पेप गार्डियोला ने भी माना था कि उन्हें शायद जल्दबाजी में मैदान पर उतार दिया गया था, जिसकी वजह से वह पूरी तरह फिट होकर नहीं लौट सके। रोड्री की नई चोट ऐसे समय आई है, जब मैनचेस्टर सिटी के साथ उनके अनुबंध में केवल एक साल बचा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 30 वर्षीय खिलाड़ी अपने पुराने क्लब रियल मैड्रिड में लौटने का इच्छुक है। विश्व कप जीतने के बाद उनके इस संभावित कदम को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। रोड्री की चोट को देखते हुए मैनचेस्टर सिटी ने इस गर्मी में अपने मिडफील्ड को मजबूत करने की कोशिश की है। क्लब ने नॉटिंघम फॉरेस्ट से इलियट एंडरसन को बड़ी रकम देकर टीम में शामिल किया है, ताकि रोड्री की गैरमौजूदगी का असर कम किया जा सके। रोड्री का भविष्य रियल मैड्रिड के दो अन्य मिडफील्डर ऑरेलियन चौमेनी और एडुआर्डो कैमाविंगा के भविष्य पर भी असर डाल सकता है। दोनों खिलाड़ियों में कई प्रीमियर लीग क्लबों की दिलचस्पी बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैनचेस्टर यूनाइटेड लंबे समय से चौमेनी पर नजर रखे हुए है, लेकिन उनकी ऊंची ट्रांसफर फीस और वेतन के कारण फिलहाल कोई नई बातचीत नहीं हुई है। वहीं, कैमाविंगा में मैनचेस्टर सिटी, चेल्सी और आर्सेनल की भी रुचि है। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या रियल मैड्रिड अपने इन खिलाड़ियों को क्लब छोड़ने की अनुमति देगा या नहीं।

### लंकाई टीम दूसरी पारी में भी लड़खड़ाई

# भारत जीत से सिर्फ 6 विकेट दूर

**कोलंबो,एजेंसी।** भारत की अंडर-19 टीम लंका अंडर-19 के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट मैच में जीत की दहलीज पर है। भारतीय टीम को मुकाबले के अंतिम दिन सिर्फ 6 विकेट की दरकार है। जीत के लिए 472 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 4 विकेट गंवाकर सिर्फ 155 रन बनाए हैं। भारत के पास फिलहाल 317 रन की बढ़त है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 411 रन बनाए। मेहमान खेमे से मनल चौहान ने 21 बाउंड्री के साथ 150 रन बनाए, जबकि कुशाग्र ओझा ने 111 रन की पारी खेली। इनके अलावा, यशबर्धन चौहान ने 78 रन का योगदान दिया। लंकाई खेमे से गिमहान मेंडिस ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। इसके जवाब में लंकाई टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 148 रन पर सिमट गई। इस पारी में दुलनिथ सिगेरा ने सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि सेथमिका सेनेविरात्ने ने नाबाद 25 रन जोड़े। भारत की तरफ से प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकटा, जगन्नाथ हेमचुदेशन और रोहित यादव ने 3-3 विकेट हासिल किए।

### इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

# सुआरेज बने जीत के नायक

**मियामी ,एजेंसी।** इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया।

शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की। 26वें मिनट में शिकागो के डिफेंडर जैक इलियट ने बॉक्स के अंदर रुइज को फाउल कर दिया, जिसके बाद इंटर मियामी को पेनल्टी मिली। इस मौके को सुआरेज ने बेहतरीन तरीके से भुनाया और गोल दागते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। यह इस रेगुलर सीजन में उनका सातवां गोल रहा।

# पाकिस्तान 5 वनडे मैचों के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा

**इस्लामाबाद :** पाकिस्तान मई 2027 में पांच मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा। ये मैच उसी साल बाद में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप की तैयारी के तौर पर खेले जाएंगे। सीरीज की शुरुआत 15 मई को साउथम्प्टन में होगी, जिसके बाद मैच मैनचेस्टर (19 मई), लीड्स (21 मई), चेस्टर-ले-स्ट्रीट (23 मई) और कार्डिफ (26 मई) में खेले जाएंगे। 50 ओवर के ये मैच विश्व कप से पहले होंगे, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया 4 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 के बीच करेंगे। पाकिस्तान, जो अभी वेस्टइंडीज़ के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेल रहा है, अगले महीने तीन टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए इंग्लैंड भी जाएगा। यह सीरीज 19 अगस्त से 13 सितंबर के बीच खेली जाएगी। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2021 में वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा किया था, जिसमें मेजबान टीम ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीती थी।

### ● पाकिस्तान का इंग्लैंड वनडे दौरा 2027

- 15 मई : पहला वनडे, साउथम्प्टन
- 19 मई : दूसरा वनडे, मैनचेस्टर
- 21 मई : तीसरा वनडे, लीड्स
- 23 मई : चौथा वनडे, चेस्टर-ली-स्ट्रीट
- 26 मई : पांचवां वनडे, कार्डिफ

### वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप:

## अनाहत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, डॉयस ये सैन को दी मात

**ओंटारियो ,एजेंसी।** भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। टूर्नामेंट की शीर्ष वरीयता प्राप्त अनाहत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मलेशिया की डॉयस ये सैन ली को सीधे गेम में हराया। पिछले साल इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली अनाहत ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को 11-4, 11-8 और 11-3 से मात दी। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मिस्र की 5/8 सीड खिलाड़ी हबीबा रिजक से होगा। महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में भी कई रोमांचक मैच देखने को मिले। मिस्र की हबीबा रिजक ने अमेरिका की शार्लेट जे को चार गेम के मुकाबले में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराया। मिस्र की मलिका एलकाराक्सी ने अमेरिका की दिया यादव को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, पुरुष वर्ग में भी कई अहम मुकाबले खेले गए। टॉप सीड मोहम्मद जकारिया ने पाकिस्तान के नौमान खान को हराकर अगले दौर में जगह बनाई, तो फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन ने इंग्लैंड के रॉनी हिकलिंग को सीधे गेम में हराया, जबकि हांगकांग की हेलेन टैंग ने मलेशिया की हार्लीन टैन को मात दी। हालांकि, पुरुष वर्ग में कुछ बड़े उलटफेर भी देखने को मिले। भारत के आर्यवीर दीवान, जो टूर्नामेंट में 5/8 सीड खिलाड़ी थे, उन्हें अमेरिका के यासीन शलाबी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अमेरिकी खिलाड़ी ने आर्यवीर को 11-4, 11-1 और 11-5 से हराया। यह आर्यवीर के लिए निराशाजनक परिणाम रहा, क्योंकि वह मौजूदा एशियाई अंडर 19 चैंपियन हैं और उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। इसके अलावा, ब्राजील की लौरा सिल्वा को मलेशिया की व्हिटनी विल्सन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं, सऊदी अरब के मोहम्मद अलनासफान ने इंग्लैंड के डायलन रॉबर्ट्स को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 में व्यक्तिगत मुकाबले 20 से 25 जुलाई तक खेले जा रहे हैं। इसके बाद 26 से 31 जुलाई तक पुरुष और महिला टीम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। भारतीय पुरुष टीम इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ उतरेगी।

# भारत का पहला पदक पक्का

**ग्लासगो ,एजेंसी।** कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंची। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है। लवलीना 31 जुलाई को सेमीफाइनल में ताफाकी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी, जहां स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाने का मौका होगा। जीत उन्हें फाइनल में पहुंचाएगी और कम से कम रजत पदक पक्का करेगी, जबकि हारने पर भी वह कांस्य पदक के साथ लौटेंगी। यह कॉमनवेल्थ गेम्स में उनका पहला पोडियम फिनिश होगा। लवलीना गोल्ड कोस्ट 2018 में क्वार्टरफाइनल में चैंपियन बनीं सैंडी रयान से हार गई थीं और बर्मिंघम 2022 में अपना पहला ही मुकाबला हार गई थीं। उन्होंने पिछले दोनों इवेंट्स में 69 किग्रा कैटेगरी में हिस्सा लिया था।

# जेनेराली ओपन: क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई



**किट्जबुहेल,एजेंसी।** ऑस्ट्रिया के किट्जबुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन वचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया। 29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। वचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलां गैरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्जबुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से होगा।मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है।पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्जबुहेल खिताब भी शामिल है।

# अमरपाटन में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का छठा सोपान संपन्न, सुष्मिता सिंह परिहार ने प्रतिभाओं का बढ़ाया उत्साह

## चार वर्षों से लगातार जारी नवाचार के तहत जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कक्षा 8वीं, 10वीं और 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को किया सम्मानित

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** 'परिंदों को मंजिल मिलेगी यकीनन, यह फैले हुए उनके पंख बोलते हैं – इसी संकल्प के साथ जिला पंचायत सतना की उपाध्यक्ष सुष्मिता डॉ. पंकज सिंह परिहार द्वारा शुरू किया गया मेधावी छात्र सम्मान समारोह का नवाचार लगातार चौथे वर्ष भी जारी है। इसी क्रम में विकासखंड स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह का षष्ठम सोपान 22 जुलाई 2026 को अमरपाटन विकासखंड के शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में अमरपाटन विकासखंड स्तर पर कक्षा आठवीं, हाई स्कूल कक्षा 10वीं तथा हायर सेकेंडरी कक्षा 12वीं (संकायवार) में प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया इसके साथ ही विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी शाल एवं फल भेंट कर सम्मान दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सतना की उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति की पदेन अध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार ने की उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है शिक्षा ही वह अनमोल रत्न है जो व्यक्ति के जीवन से अज्ञानता का अंधकार दूर कर उसे सफलता और संस्कारों की राह दिखाती है उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सतना अध्यक्ष रामखेलावन कोल रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सुष्मिता सिंह परिहार के इस नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि लगातार चार वर्षों से आयोजित हो रहा यह कार्यक्रम शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल है उन्होंने कहा कि कभी संकुल स्तर पर शिक्षक सम्मान तो कभी मेधावी छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों के सम्मान के माध्यम से शिक्षा को प्रोत्साहित करने का कार्य सराहनीय है

उन्होंने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं जिला पंचायत महिला एवं बाल विकास सभापति तारा विजय पटेल ने भी विद्यार्थियों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं उन्होंने छात्र-छात्राओं को जीवन में निरंतर परिश्रम करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

## महिला आरक्षण और पेपर लीक मुद्दे पर महिला कांग्रेस का संसद घेराव, सतना-मैहर की महिलाओं ने भी लिया हिस्सा

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** महिला आरक्षण, पेपर लीक और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर महिला कांग्रेस ने मंगलवार 21 जुलाई 2026 को दिल्ली में संसद घेराव कार्यक्रम आयोजित किया इस विरोध प्रदर्शन में देशभर से पहुंचीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में शामिल होकर केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की सतना और मैहर जिले से भी महिला कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा के आह्वान पर और मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी के निर्देशानुसार आयोजित किया गया सतना जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष गीता सिंह परिहार के मार्गदर्शन में जिले की महिलाओं ने संसद घेराव कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज कराई। प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग उठाई कार्यकर्ताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अधिकार जल्द से जल्द मिलना चाहिए उन्होंने महिला आरक्षण को इसी संसद सत्र में लागू करने की मांग करते हुए केंद्र सरकार से त्वरित निर्णय लेने की अपील की इसके साथ ही छात्र हितों से जुड़े पेपर लीक मामलों को लेकर भी महिला कांग्रेस ने विरोध जताया प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है उन्होंने सरकार से पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। संसद घेराव कार्यक्रम में सतना और मैहर क्षेत्र से शामिल हुईं महिला कांग्रेस नेताओं में जिला अध्यक्ष गीता सिंह परिहार, नगर परिषद रामनगर अध्यक्ष दीपा मिश्रा, नीलम त्रिपाठी, आरती सिंह, हेमलता सिंह सहित कई महिला कार्यकर्ता शामिल रहीं सभी ने दिल्ली पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लिया और महिला अधिकारों एवं छात्र हितों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज रखी। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि महिला आरक्षण को लेकर अब और इंतजार नहीं किया जा सकता उन्होंने मांग की कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में उचित प्रतिनिधित्व देने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए।

## सतना की अवंतिका सिंह का अंतरराष्ट्रीय शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चयन

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले की प्रतिभाशाली खिलाड़ी और बोनान्ज़ा हाई सेकेंडरी स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा अवंतिका सिंह ने खेल जगत में बड़ी उपलब्धि हासिल की है अवंतिका का चयन अंतरराष्ट्रीय एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी-2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है अवंतिका सिंह की इस सफलता पर बोनान्ज़ा हाई सेकेंडरी स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया विद्यालय के डायरेक्टर दिलीप अरोरा, चेयरमैन गौरव अरोरा, प्राचार्या रश्मि वास्तव सहित समस्त विद्यालय परिवार ने अवंतिका और उनके माता-पिता को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि अवंतिका की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और यह साबित करती है कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से विद्यार्थी खेल के क्षेत्र में भी बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि अवंतिका ने शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि में उनके हेड कोच वैभव अग्रवाल और विशेषिता सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है दोनों प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और कठिन प्रशिक्षण के कारण अवंतिका ने अपनी खेल प्रतिभा को लगातार निखारा और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। अवंतिका को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सम्मानित और पुरस्कृत किया गया इस अवसर पर शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी उनकी उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग जैसे तेज और चुनौतीपूर्ण खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम में स्थान बनाना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

## अग्रवाल महिला मंडल की मासिक बैठक आयोजित, मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ शुरू हुआ नया सत्र

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था अग्रवाल महिला मंडल द्वारा 22 जुलाई को मासिक बैठक का आयोजन अग्रसेन हॉल बूटी बाई में किया गया संस्था की अध्यक्ष सीमा एवं सचिव पूजा के नेतृत्व में सत्र 2026-27 के द्वितीय चरण की शुरुआत हुई बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों और सामाजिक कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई इस अवसर पर महिलाओं के लिए हाऊजी एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में महिला मंडल की बी.ओ.डी. सदस्य मणिका, नेहा, प्रीति, हेमा, मीना और मोनिका सहित पूर्व अध्यक्ष प्रतिमा, शशि, सरोज, शिल्पी, विनीता एवं मनीषा उपस्थित रहीं। इसके अलावा स्वजातीय बहनों संध्या, ममता, नीता, रश्मि, मृदुला और ज्योति ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की बैठक का वातावरण उत्साह और आपसी सहयोग से भरा रहा महिला मंडल की सदस्यों ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं समाजोपयोगी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया कार्यक्रम की जानकारी संस्था की पीआरओ नमिता एवं जया द्वारा दी गई उन्होंने बताया कि अग्रवाल महिला मंडल समय-समय पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन कर समाज में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

## एकेएस विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट में नया रिकॉर्ड, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 164 से अधिक छात्रों को मिली नौकरी

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** विंध्य क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में एकेएस विश्वविद्यालय सतना ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है विश्वविद्यालय के वर्ष 2026 बैच के बीटेक और डिप्लोमा (मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के विद्यार्थियों ने 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया है इस वर्ष 164 से अधिक विद्यार्थियों का चयन देश की प्रतिष्ठित औद्योगिक, ऊर्जा, सीमेंट, खनन, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में हुआ है विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह उपलब्धि उद्योग आधारित शिक्षा, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, व्यावहारिक ज्ञान और विद्यार्थियों के कौशल विकास पर लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है वर्ष 2026 में विश्वविद्यालय परिसर में 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने कैंपस भर्ती अभियान में हिस्सा लिया चयनित विद्यार्थियों को देश की प्रमुख कंपनियों में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी और डिप्लोमा इंजीनियर ट्रेनी पदों पर नियुक्ति मिली है। इनमें JK Cement Limited, Adani Group · UltraTech Cement Limited, GE Aerospace, TAFE Motors and Tractors Limited सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल रहीं प्लेसमेंट आंकड़ों के अनुसार बीटेक विद्यार्थियों को अधिकतम 6.10 लाख रुपये, औसत 4.20 लाख रुपये और न्यूनतम 3 लाख रुपये वार्षिक पैकेज प्राप्त हुआ वहीं डिप्लोमा विद्यार्थियों को अधिकतम 4.50 लाख रुपये, औसत 3.30 लाख रुपये और न्यूनतम 3 लाख रुपये वार्षिक पैकेज मिला। कंपनियों में सबसे अधिक चयन मिकुनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया जिसने 41 विद्यार्थियों को रोजगार दिया इसके बाद टाफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने 30, ग्रियू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने 20, अडानी कोल ने 14 और जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड ने 13 विद्यार्थियों का चयन किया। सर्वाधिक 6.10 लाख रुपये वार्षिक पैकेज जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा दिया गया। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को उद्योगों की जरूरतों के अनुसार तैयार करने के लिए

## सतना जिले में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे अध्यक्ष

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले के समग्र, संतुलित और दीर्घकालीन विकास को गति देने के उद्देश्य से जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया गया है मध्यप्रदेश शासन के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निर्देशानुसार गठित इस समिति के माध्यम से जिले के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सुझाव, योजना निर्माण और प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कार्य किया जाएगा गठित समिति के अध्यक्ष मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे, जबकि सतना जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को समिति का उपाध्यक्ष बनाया गया है समिति में जिले के जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है ताकि विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी और जनभागीदारी आधारित बनाया जा सके। समिति में सदस्य के रूप में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री मती प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, नागौद विधायक नागेंद्र सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, रामपुर बघेलान विधायक विक्रम सिंह एवं सतना विधायक सिद्धार्थ सुखलाल कुशवाहा को शामिल किया गया है। इसके अलावा नगर पालिक निगम सतना के महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल तथा विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्षों को भी समिति में सदस्य बनाया गया है। इनमें सोहावल जनपद पंचायत अध्यक्ष राजेश रावत, मझगवां जनपद पंचायत अध्यक्ष मती रेणुका जायसवाल, उचेहरा जनपद पंचायत अध्यक्ष मती अंजू भागवेंद्र सिंह परिहार, नागौद जनपद पंचायत अध्यक्ष मती अल्पना उमेश प्रताप सिंह और रामपुर बघेलान जनपद पंचायत अध्यक्ष रावेंद्र सिंह छोटू शामिल हैं। जिला विकास सलाहकार समिति में विभिन्न क्षेत्रों से 20 प्रतिनिधियों को भी सदस्य के रूप में नामित किया गया है इनमें भाजपा जिलाध्यक्ष सतना भगवती प्रसाद पाण्डेय, विनोद यादव, चंद्रकमल त्रिपाठी, प्रहलाद कुशवाहा, मती सुष्मिता सिंह, बाबूलाल सिंह पटेल, विजय तिवारी (अधिवक्ता), अशोक गुप्ता, कन्हैया लाल पोहानी, राजाराम त्रिपाठी, सुधीर सिंह तोमर, अनिल जायसवाल, कृष्ण कुमार पाण्डेय, रामसहाय गौतम, मनीष प्रताप सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, अरुण सिंह परिहार, अरुण तिवारी, शेर सिंह और विद्याधर तिवारी शामिल हैं समिति के सदस्य सचिव की जिम्मेदारी कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस को सौंपी गई है। आवश्यकता के अनुसार जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों को भी समिति की बैठकों में आमंत्रित किया जा सकेगा ताकि विकास योजनाओं से जुड़े विषयों पर विभागीय स्तर से जानकारी और सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

जिला विकास सलाहकार समिति का मुख्य उद्देश्य जिले के विकास को सहभागी और योजनाबद्ध बनाना है। समिति जनप्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों के सुझावों के आधार पर जिले के लिए दीर्घकालीन विकास योजनाएं तैयार करेगी। समिति के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और कौशल को बढ़ावा देने के लिए 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा को प्रोत्साहित किया जाएगा इसके साथ ही शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचारों को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसरों के सृजन को लेकर भी कार्ययोजना बनाई जाएगी।

## विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूरे करें काम : महापौर

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** शहर में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा को लेकर नगर निगम सतना प्रशासन ने सख्ती दिखाई है बुधवार को नगर निगम कार्यालय स्थित महापौर कक्ष में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने निगम के इंजीनियरों और अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की बैठक में शहर में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, कार्य पूर्ण होने की समय-सीमा और आगामी योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महापौर योगेश ताम्रकार ने बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में लापरवाही अथवा देरी होने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक परियोजना की नियमित निगरानी की जाए और कार्य स्थल का समय-समय पर निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और बेहतर कार्यप्रणाली नगर निगम की प्राथमिकता है। बैठक के दौरान महापौर ने शहर की सड़कों, अधोसंरचना विकास, नागरिक सुविधाओं और अन्य निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली उन्होंने कहा कि सतना शहर के समग्र विकास के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है शहरवासियों को बेहतर सड़कें, मजबूत अधोसंरचना, स्वच्छ वातावरण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है महापौर ने अधिकारियों से कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को गंभीरता से लेते हुए पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में इंजीनियरों और तकनीकी अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है इसलिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें। समीक्षा बैठक में नगर निगम के विभिन्न विभागों के इंजीनियर एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के साथ आगामी कार्यों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई महापौर ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं बल्कि ऐसे कार्य करना है जो लंबे समय तक शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के विकास को गति देने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

## डकैत ददुआ को श्रद्धांजलि पोस्ट पर विवाद, भाजपा नेताओं के खिलाफ उठे सवाल

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले में कुख्यात डकैत शिवकुमार कुर्मी उर्फ ददुआ को लेकर सोशल मीडिया पर की गई श्रद्धांजलि पोस्ट विवाद का कारण बन गई है। भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा ददुआ को 'दस्यु हृदय सम्राट' और 'पुण्यात्मा' जैसे शब्दों से संबोधित किए जाने के बाद राजनीतिक बहस शुरू हो गई है बताया गया कि रामपुर बघेलान जनपद अध्यक्ष रावेंद्र सिंह पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गीतेश्वर सिंह पटेल, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल के भाई विजय पटेल और जिला मंत्री वसुंधरा सिंह के चाचा सिद्धार्थ सिंह पटेल सहित कुछ नेताओं ने सोशल मीडिया पर ददुआ को श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट साझा की थी ददुआ बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहा था पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, लूट और रंगदारी सहित कई गंभीर मामले दर्ज थे उसके गिरोह पर पुलिस मुखबिरों और आम नागरिकों की हत्या के आरोप भी लगाए गए थे सोशल मीडिया पर इन पोस्ट को लेकर लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं दीं। कई यूजर्स ने सवाल उठाए कि जिस व्यक्ति पर गंभीर अपराधों के आरोप रहे हों उसका महिमामंडन कितना उचित है इस मामले ने जिले की राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

## विक्रम-1 मिशन में योगदान देने वाले युवा इंजीनियर रत्नेंद्र सिंह के पिता का कलेक्टर ने किया सम्मान

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने अपने कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में पुष्पेंद्र सिंह को शाल एवं फल भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि रत्नेंद्र सिंह की उपलब्धि केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे सतना जिले और मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में जिले के एक युवा इंजीनियर का महत्वपूर्ण योगदान सभी के लिए प्रेरणा देने वाला है कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि आज के युवा यदि दृढ़ संकल्प, मेहनत और तकनीकी ज्ञान के साथ आगे बढ़ें तो वे देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं उन्होंने कहा कि रत्नेंद्र सिंह ने अपनी प्रतिभा और लगन से यह साबित किया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाले युवा भी अंतरिक्ष विज्ञान जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं उन्होंने रत्नेंद्र सिंह के माता-पिता को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि किसी भी बच्चे की सफलता के पीछे परिवार के संस्कार, मार्गदर्शन और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने पुष्पेंद्र सिंह एवं परिवार द्वारा दिए गए संस्कारों और प्रेरणा की सराहना की।

**कोठरा (जैतवारा) के युवा ने बढ़ाया सतना का मान:** सतना जिले के कोठरा (जैतवारा) निवासी युवा इंजीनियर रत्नेंद्र सिंह ने निजी क्षेत्र के प्रथम ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 मिशन में तकनीकी योगदान देकर जिले का गौरव बढ़ाया है उनकी इस उपलब्धि ने सतना सहित पूरे विंध्य क्षेत्र के युवाओं को नई प्रेरणा दी है। विक्रम-1 मिशन भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है इस मिशन में देश के युवा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भूमिका अहम रही है रत्नेंद्र सिंह का योगदान यह दर्शाता है कि प्रतिभा और तकनीकी क्षमता के बल पर प्रदेश के युवा राष्ट्रीय स्तर के मिशनों में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

**सेना से सेवानिवृत्त पिता ने जताई खुशी:** सम्मान समारोह के दौरान पुष्पेंद्र सिंह ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि बेटे की उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है उन्होंने बताया कि परिवार ने हमेशा शिक्षा, अनुशासन और मेहनत को प्राथमिकता दी है उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ना चाहिए उन्होंने कहा कि देश के लिए काम करने का अवसर मिलना हर युवा के लिए गौरव की बात है। रत्नेंद्र सिंह की सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों और युवाओं को भी विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

**जिला प्रशासन ने दी शुभकामनाए:** सम्मान कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह एवं अपर कलेक्टर विकास सिंह भी उपस्थित रहे अधिकारियों ने भी रत्नेंद्र सिंह और उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। जिला प्रशासन ने कहा कि जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उनकी उपलब्धियों को सम्मान देना आवश्यक है ताकि अन्य युवा भी प्रेरित होकर अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। रत्नेंद्र सिंह की उपलब्धि ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि सतना जैसे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है उचित अवसर मेहनत और मार्गदर्शन मिलने पर यहां के युवा अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक और अन्य आधुनिक क्षेत्रों में देश का नाम रोशन कर सकते हैं उनके योगदान से सतना जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान के साथ उभरा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।